भाद्रपद शुक्ल पक्ष 11, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 77 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
22 सितंबर 2026 मंगलवार

आज का मौसम
31.2 अधिकतम
21.6 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

डिजिटल पेमेंट शुल्क का विरोध... भोपाल में 90 फ़ीसदी थोक लेनदेन इस दायरे में

MDR चार्ज पर भड़के व्यापारी कल प्रदेश में 'नो-यूपीआई डे'

- स्कैनर को काले कपड़े से ढककर जताएंगे विरोध
- इंदौर के 125 से ज्यादा व्यापारिक संगठन विरोध में

भोपाल, दोपहर मेट्रो

यूपीआई से होने वाले लेनदेन पर चार्ज लगाने के फैसले को लेकर विरोध बढ़ता जा रहा है। इसी के तहत पूरे प्रदेश में कल यानी 23 सितंबर को 'नो-UPI डे' रहेगा। इस दिन व्यापारी 2000 रु से ज्यादा का यूपीआई भुगतान नहीं लेंगे। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की मध्य प्रदेश इकाई ने प्रदेशभर के व्यापारियों से आह्वान किया है कि वे कुछ देर के लिए यूपीआई स्कैनर को काले कपड़े से ढक कर सांकेतिक विरोध जताएं। गौरतलब है कि 15 अक्टूबर से 2,000 रु से ज्यादा के पर्सन टु मर्चेंट यूपीआई पेमेंट पर 0.4% एमडीआर लगेगा। 75 हजार और उससे ज्यादा के लेन-देन पर चार्ज 300 रुपए होगा। प्रदेश के 4700 पेट्रोल पंप संचालक पहले ही 16 अक्टूबर से 2 हजार से ज्यादा के बिल पर UPI पेमेंट नहीं लेने का फैसला कर चुके हैं।

भोपाल के थोक किराना बाजार में करीब 500 थोक-रीटेल दुकानें हैं। यहां से हर रोज करीब 200 टन शकर, तेल, दाल, चावल समेत अन्य किराना सामग्री 150 किलोमीटर के दायरे में पहुंचता है। मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी, एमडीआर को लेकर यहां के व्यापारी सबसे ज्यादा चिंतित है। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश महासचिव अनुपम अग्रवाल ने बताया कि भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सागर समेत पूरे प्रदेश में थोक मार्केट में हर रोज 90 फ़ीसदी से ज्यादा लेन-देन 2 हजार रुपए के ऊपर होता है। इस टैक्स से व्यापारियों पर आर्थिक बोझ बढ़ जाएगा। इसलिए व्यापार मंडल ने प्रदेश में 23 सितंबर को 'नो यूपीआई-डे' का आह्वान किया है।

एमडीआर शुल्क के विरोध में व्यापारियों ने पोस्टर-बैनर लेकर प्रदर्शन किया।

थोक किराना कारोबारी अनिल कुमार सचदेव का कहना है कि पहले सरकार ने कैशलेस पेमेंट की आदत डाल दी और अब यूपीआई पर एमडीआर के जरिए चार्ज वसूलेगी। एक अन्य व्यापारी विवेक साहू ने बताया, यूपीआई से पेमेंट की प्रक्रिया ग्राहक-व्यापारी दोनों के लिए फायदेमंद है, लेकिन 2 हजार रुपए से ज्यादा के पेमेंट में आर्थिक बोझ बढ़ेगा। कई व्यापार में 1 प्रतिशत का मार्जिंग भी नहीं है। कई बार 10 पेमेंट करना है तो 300 रुपए के हिसाब से 3 हजार रुपए तक सरचार्ज लग जाएगा। सराफा कारोबारी नवनीत अग्रवाल का कहना है कि सराफा में 95 प्रतिशत से ज्यादा पेमेंट दो हजार रुपए से ऊपर का होता है।

भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स का पीएम और वित्त मंत्री को पत्र

भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने एमडीआर को लेकर प्रधानमंत्री, केंद्रीय वित्त मंत्री, एमपी के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और वित्ती मंत्री को पत्र लिखा है। जिसमें जीरो-एमडीआर की मांग की गई है। चैंबर के अध्यक्ष गोविंद गोयल ने कहा कि व्यापारिक समुदाय ने डिजिटल भुगतान को व्यापक रूप से अपनाकर डिजिटल इंडिया की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यहआज छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों तक दैनिक कारोबार का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। ऐसे में डिजिटल भुगतान स्वीकार करने की लागत में वृद्धि विशेषकर छोटे एवं मध्यम व्यापारियों के लिए चिंता का विषय है। यह निर्णय तुरंत वापस लिया जाना चाहिए।

डिजिटल इंडिया अभियान में बाधा

इंदौर में अधिकांश व्यापारियों ने बार कोड को काले कपडे से ढक दिया है। विरोध में 125 से ज्यादा व्यापारिक संगठन शामिल हैं। व्यापारियों की बैठक में सभी संगठनों को एक साथ लाने के बाद अहिल्या चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने नो यूपीआई डे की घोषणा की है। इसे डिजिटल इंडिया अभियान में बाधा माना जा रहा है। चैंबर के अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल ने कहा कि इस मुद्दे पर सभी व्यापारी एकजुट हैं। चैंबर की मंशा नेशनल ट्रेड वेलफेयर बोर्ड के जरिए केंद्रीय वित्त मंत्रालय तक अपनी मांग पहुंचाने की है। लगभग 2000 व्यापारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले इंदौर रिटेल गारमेंट्स एसोसिएशन ने एक पोस्टर के जरिए सोशल मीडिया कैपेन शुरू किया है। इसके अध्यक्ष अक्षय जैन ने कहा कि एसोसिएशन को उम्मीद है कि इस कदम से लगभग 10 लाख ग्राहकों से जुड़े लेनदेन प्रभावित होंगे। कपड़ा, सराफा, सियागंज किराना बाजार, मरोठिया, चावल और दाल बाजार, प्लाईवुड कारोबार और पेट्रोल पंपों के संगठन भी इस विरोध में शामिल हो गए हैं।

होर्मुज से बाब-अल-मंदेब तक संकट... तेल की नली पर दुनिया

राजेश सिरोठिया
युद्ध की चक्की में पिसती दुनिया
पार्ट -2

पहली नजर में यह ईरान और अमेरिका की जंग है। लेकिन युद्ध का भूगोल जितना फैल रहा है, उसकी कीमत उतने ही देशों को चुकानी पड़ रही है। ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का असर अब फारस की खाड़ी से निकलकर होर्मुज, लाल सागर, बाब-अल-मंदेब और यूरोप के ऊर्जा बाजार तक पहुंच चुका है। होर्मुज इस पूरी कहानी का सबसे संवेदनशील बिंदु है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक है। युद्ध से पहले यहाँ से प्रतिदिन करीब 125 समुद्री जहाज रसद और कच्चा तेल गैस आदि लेकर गुजरते थे। लेकिन 21 सितंबर के ताजा शिपिंग डेटा के मुताबिक पिछले हफ्ते केवल 12 जहाज होर्मुज पार कर पाए। एक सप्ताह पहले यह संख्या 35 थी।

लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण फर्क समझना होगा। होर्मुज पूरी तरह बंद नहीं है। तेल का प्रवाह पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। रायटर्स की रपट के अनुसार सितंबर में सऊदी अरब के कच्चे तेल का निर्यात अगस्त के लगभग 2.4 मिलियन बैरल प्रतिदिन के निचले स्तर से बढ़कर 4 मिलियन बैरल प्रतिदिन से अधिक हो गया है। यानी बाजार में तेल आ रहा है, लेकिन जोखिम, अनिश्चितता और परिवहन संकट ने पूरी ऊर्जा व्यवस्था को अस्थिर कर रखा है। युद्ध की असली मार यहीं दिखाई देती है। बाजार केवल तेल की वास्तविक कमी नहीं देखता। वह भविष्य की कमी की आशंका पर भी प्रतिक्रिया करता है। जहाज बीमा महंगा होता है। मार्ग बदलते हैं। टैंकर जोखिम के कारण रुकते हैं। ईंधन की कीमत बढ़ती है। और उसका असर विमान से लेकर ट्रक और कार तक पहुंचता है।

यूरोप की हालत इस संकट की गहराई बता रही है। एक दिन पहले की रिपोर्ट को मानें तो चौथी तिमाही में यूरोप को करीब 5 लाख 10 हज़ार बैरल प्रतिदिन हवाई ईंधन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। एम्स्टरडम, रॉटरडैम, एंटवर्प क्षेत्र में एविएशन फ्यूल की आवक सात साल के निचले स्तर पर पहुंच चुकी हैं। यूरोप को अमेरिका, कनाडा, नाइजीरिया और दक्षिण कोरिया जैसे देशों से अतिरिक्त जेट फ्यूल मंहगी क़ीमत पर मंगाना पड़ रहा है। यानी ईरान में चल रही जंग यूरोपीय हवाई यात्रा की लागत तक पहुंच चुकी है। कहानी यहीं खत्म नहीं होती। दूसरा संकट बाब-अल-मंदेब पर है। यमन के हूती सऊदी अरब के खिलाफ अपने हमले तेज कर चुके हैं। 19 सितंबर को रियाद के आसपास मिसाइल और ड्रोन हमलों की खबर सामने आई थी। सऊदी अधिकारियों ने सुरक्षा चेतावनियां जारी कीं, जबकि हूतियों ने संवेदनशील ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया। हूतियों की चुनौती का असर केवल सऊदी सुरक्षा पर नहीं है। उन्होंने लाल सागर और बाब-अल-मंदेब के समुद्री रास्ते को भी जोखिम में डाल दिया है। यह रास्ता यूरोप और एशिया के बीच वैश्विक व्यापार की महत्वपूर्ण कड़ी है। यानी दुनिया के सामने एक विचित्र स्थिति है। एक तरफ होर्मुज है, दूसरी तरफ बाब-अल-मंदेब। एक तरफ ईरान से जुड़ा समुद्री संकट है, दूसरी तरफ हूतियों का दबाव। दोनों के बीच सऊदी अरब है - दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल उत्पादकों में से एक।

अछूता नहीं अमेरिका, अर्थव्यवस्था पर है दबाव

अमेरिका खुद बड़ा तेल उत्पादक है। इसलिए उसकी स्थिति यूरोप जैसी नहीं है। लेकिन वह भी इस संकट से अछूता नहीं है। युद्ध की लागत, महंगा ईंधन और वैश्विक आपूर्ति की अनिश्चितता अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल रहे हैं। युद्ध की लागत अगस्त तक 38 अरब डॉलर पहुंच चुकी है और लगातार बढ़ रही है। यूरोप के लिए यह ऊर्जा सुरक्षा का संकट है। एशिया के लिए समुद्री व्यापार का संकट।अमेरिका के लिए युद्ध की लागत और घरेलू राजनीति का संकट और विकासशील देशों के लिए महंगा तेल और महंगाई का संकट। युद्ध में सबसे पहले वही देश दिखाई देते हैं जो मोर्चे पर लड़ रहे हैं। लेकिन उसकी सबसे लंबी छाया उन देशों पर पड़ती है जो युद्ध में शामिल ही नहीं होते। रूस-यूक्रेन युद्ध ने पहले ही ऊर्जा, खाद्य और सुरक्षा व्यवस्था को झकझोर रखा है। ईरान युद्ध उस अस्थिरता में पश्चिम एशिया का नया अध्याय जोड़ रहा है। अब इस कहानी में एक नया सवाल प्रवेश कर रहा है। सऊदी अरब पर हमले हो रहे हैं। अमेरिका सीधे सैन्य मदद से पीछे है। तुर्किए और पाकिस्तान के साथ नया मक्का पैक्ट मौजूद है। लेकिन क्या वह कागज से निकलकर कभी युद्धक्षेत्र तक पहुंचेगा? या पहुँचेगा भी नहीं !

यही सवाल इस कहानी को तीसरे और शायद सबसे कठिन मोड़ पर ले जाता है... मक्का पैक्ट की अग्निपरीक्षा शुरू हो चुकी है।

न्यूज विंडो

इंदौर में तीसरी बार नो कार डे, आज सड़कों पर कम दिख रहीं निजी कारें

इंदौर। स्वच्छता के मामले में देशभर में अपनी अलग पहचान बना चुका इंदौर शहर अब पर्यावरण संरक्षण के लिए भी मिसाल पेश कर रहा है। स्वस्थ जीवन और प्रदूषण मुक्त आबोहवा के संदेश के साथ शहर में आज 'नो कार डे'मनाया जा रहा है। लगातार तीसरे साल आयोजित हो रहे इस खास अभियान के तहत, महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे आज अपनी निजी कारों का इस्तेमाल न करें और इसकी जगह आवागमन के लिए सिटी बस, ई-रिक्शा, साइकिल का उपयोग करें या फिर पैदल चलें।

यूपी की 10 और उत्तराखंड की एक सीट पर राज्यसभा चुनाव का एलान

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड में खाली हो रही राज्यसभा की 11 सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव चुनाव कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इनके साथ ही बंगाल की एक सीट पर भी उपचुनाव की तारीख का एलान कर दिया गया है। इनमें उत्तर प्रदेश की 10 और उत्तराखंड की 1 सीट शामिल है। इन सभी सीटों पर 16 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। आयोग के तय कार्यक्रम के अनुसार, 29 सितंबर से चुनावी कार्यवाही शुरू होगी। इसके बाद प्रत्याशी 6 अक्टूबर तक अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे।

किफायती ऊर्जा पर कार्यशाला

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज भोपाल में ऑल इंडिया डिस्कॉम्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'नवीकरणीय ऊर्जा और कम लागत के ऊर्जा भंडारण' विषय पर आधारित क्षेत्रीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित भी किया।

जांच के बीच अब आईआईटी बॉम्बे से सीलिंग फैन हटेंगे

मुंबई। आईआईटी बॉम्बे में बीटेक स्टूडेंट साहिल रविंद्र वाकोडे की आत्महत्या के बाद कैंपस और हॉस्टल में लगे सीलिंग फैन हटाकर वॉल फैन लगाने का फैसला लिया गया है। संस्थान में वॉल फैन पहुंचने भी लगे हैं। इस बीच साहिल की मौत को लेकर छात्रों का प्रदर्शन पांचवें दिन भी जारी है। छात्र संस्थान में जवाबदेही, पारदर्शिता, छात्र कल्याण और मानसिक स्वास्थ्य व्यवस्था में बदलाव की मांग कर रहे हैं।

एनकाउंटर में आरोपी को लगी गोली

दिल्ली में नाबालिग से गैंगरेप एक आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के कालकाजी मंदिर के पास आस्था कुंज पार्क में 17 साल की नाबालिग से गैंगरेप का मामला सामने आया है। घटना सोमवार शाम की है। पुलिस ने आज सुबह एक आरोपी आसिफ को साउथ ईस्ट दिल्ली में एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार किया।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तारी के दौरान आरोपी ने तीन राउंड फायर किए। एक गोली हेड कॉन्स्टेबल की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। जवाब में पुलिस ने आरोपी के पैर में गोली मारी। घायल आरोपी को AIIMS ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। बाकी दो आरोपियों की तलाश जारी है। दिल्ली में इस महीने नाबालिग से रेप का यह तीसरा मामला है। 12 सितंबर को स्वरूप नगर में 14 साल की नाबालिग की गैंगरेप के बाद हत्या कर दी गई थी। 16 सितंबर को सदर बाजार में 10 साल की बच्ची का रेप हुआ था।

पुलिस के मुताबिक, नाबालिग सोमवार शाम 7 बजे अपने 17 साल के दोस्त के साथ कालकाजी मंदिर में दर्शन करने गई थी। इसके बाद दोनों शाम करीब 7:30 बजे गेट नंबर 7 से आस्था कुंज पार्क में दाखिल हुए। वहां तीन युवक उनके पास पहुंचे और खुद को पुलिसकर्मी बताया। शिकायत के अनुसार, युवकों ने नाबालिग और उसके दोस्त को धमकाया। इसके बाद नाबालिग को दोस्त से अलग कर सुनसान जगह पर ले गए।

रिहायशी क्षेत्र में कारोबार: सुप्रीम कोर्ट में सरकार का नया हलफनामा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। आवासीय क्षेत्रों में संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। इसके लिए नगर निगम ने सुप्रीम कोर्ट में 34 पेज का नया एफिडेविट पेश किया है। इसमें शहरभर में 8084 प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी करने और 190 के खिलाफ कार्रवाई कर कारोबार बंद कराने की जानकारी दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट के पांच अगस्त के निर्देश के बाद नगर निगम ने दावा किया था कि उसने शहर के आवासीय क्षेत्रों में संचालित 62,500 से अधिक प्रतिष्ठानों को चिह्नित किया है। निगम ने 8269 प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी करने की भी जानकारी दी थी। सूत्रों के अनुसार, अब नए शपथ पत्र में नोटिस का आंकड़ा 8084 बताया गया है। साथ ही 190 प्रतिष्ठानों को बंद कराने की कार्रवाई की जानकारी भी दी गई है। आंकड़ों में आए इस बदलाव को लेकर भी सुनवाई के दौरान सवाल उठ सकते हैं।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर | एंजल वन के फाउंडर हैं दिनेश ठक्कर, सबसे बड़ी लग्जरी होम डील ने खींचा सबका ध्यान

40 की उम्र तक किराए का घर, अब 711 करोड़ में खरीदा पूरा टावर

मुंबई/ नई दिल्ली , एजेंसी

मुंबई के जुहू में देश की सबसे बड़ी लग्जरी होम डील में से एक ने सबका ध्यान खींचा है। एंजल वन के फाउंडर, चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर दिनेश ठक्कर ने 711 करोड़ रुपये से ज्यादा में एक पूरा लग्जरी रेजिडेंशियल टावर खरीदने का समझौता किया है। खास बात यह है कि उन्होंने सिर्फ एक फ्लैट नहीं, बल्कि ज+7 की पूरी इमारत खरीदी है। दिलचस्प यह यह है कि दिनेश ठक्कर 40 साल की उम्र तक किराए के मकान में रहे हैं।

इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रॉपर्टी मुंबई के जुहू तारा रोड स्थित एंबेसी टेराज़ा में है। दिनेश जिस टावर को खरीद रहे हैं, उसका रेरा कारपेट एरिया करीब 63,000 वर्ग फुट है। इस डील की कीमत 711 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। यानी करीब 1.13 लाख रुपये प्रति वर्ग फुट की कीमत बैठती है। यह जुहू में रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी के लिए नया रिकॉर्ड बताया जा रहा है। एंबेसी डेवलपमेंट्स ने इस सौदे को भारत का सबसे बड़ा सिंगल रेजिडेंशियल यूनिट ट्रांजेक्शन बताया है।

दिनेश ठक्कर ने एंजल वन कंपनी की शुरुआत साल 1996 में एक पारंपरिक स्टॉकब्रोकिंग बिजनेस के तौर पर की थी। समय के साथ एंजल वन ने खुद को डिजिटल फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी में बदल लिया। उसके डिजिटल सफर की शुरुआत 2019 में हुई, जब उसने ग्राहकों को एंड-टू-एंड डिजिटल इन्वेस्टमेंट सॉल्यूशन देना शुरू किया। इसके बाद कंपनी ने देशभर में अपना ग्राहक आधार बढ़ाया और टियर-2 और टियर-3 शहरों तक अपनी पहुंच बनाई। ठक्कर के कारोबारी सफर में एक बड़ा झटका भी आया था। मिशेबल इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में ठक्कर ने बताया था कि करीब 2001 में उन्होंने इंटरनेट ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर काफी पैसा लगाया था। डॉट-कॉम बबल फूटने के दौरान उन्होंने अपने निवेश का करीब 80% हिस्सा गंवा दिया था। हालांकि, उन्होंने इस असफलता को छिपाने के बजाय इससे सीखने की कोशिश की।

रियल एस्टेट की जगह बिजनेस को प्राथमिकता

711 करोड़ रुपये के इस लग्जरी होम डील की एक दिलचस्प बात यह भी है कि दिनेश ठक्कर पहले घर खरीदने के बजाय किराए पर रहना पसंद करते थे। अपने एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि करीब 38-40 साल की उम्र तक वह किराए के मकान में रहे हैं। उनका तर्क था कि करियर के शुरुआती दौर में पैसा रियल एस्टेट में लगाने के बजाय बिजनेस में लगाना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। उनका मानना था कि उनका कारोबार बेहतर रिटर्न दे रहा था, इसलिए वह पूंजी को बिजनेस में ही बनाए रखना चाहते थे। बाद में जब करियर, लोकेशन और परिवार की जरूरतें ज्यादा स्थिर हुईं, तब उन्होंने घर खरीदने के बारे में सोचा। बिजनेस के अलावा दिनेश ठक्कर फिटनेस और लग्जरी कारों में भी दिलचस्पी रखते हैं।

बावड़ियाकलां के 22 मकान अवैध घोषित: निगम ने कहा- 15 दिन में खुद हटाएं निर्माण

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल के बावड़िया कलां स्थित शुभालय बिहार (गौरव गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित) में टीएंडसीपी के स्वीकृत नक्शे के विपरीत बने 22 मकानों को नगर निगम ने अवैध घोषित कर नोटिस जारी किए हैं।

इनमें 17 मकान मालिकों को 15 दिन में अवैध निर्माण खुद हटाने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि 5 अधूरे मकानों का निर्माण तत्काल रोकने को कहा गया है। खास बात यह है कि जिन मकानों को निगम अब अवैध मान रहा है, उनमें से निर्माण की बिल्डिंग परमिशन खुद निगम की बिल्डिंग परमिशन शाखा ने जारी की थी।

यह कार्रवाई हाईकोर्ट में दायर अवमानना याचिका के बाद हुई है। उपायुक्त सहकारिता ने 13 फरवरी 2026 को नगर निगम को पत्र भेजकर कार्रवाई के लिए कहा था।

इसके बाद निगम ने पहले 17 और अब शेष 5 मकानों समेत सभी 22 निर्माणों को नोटिस जारी किए हैं।

याचिकाकर्ता विवेक दीक्षित के मुताबिक, संस्था के 44 संस्थापक सदस्यों की करीब 5 एकड़ जमीन पर भू-माफिया ने 48 प्लॉट अवैध तरीके से बेच दिए। प्लॉट खरीदने वाले लोग संस्था के सदस्य नहीं हैं और उन्होंने संस्था को राशि भी नहीं दी। वहीं संस्था के संस्थापक सदस्यों को जमीन का हिस्सा नहीं मिला। सहकारिता विभाग ने इन रजिस्ट्रियों को शून्य कराने के लिए सिविल कोर्ट में केस दायर किया है।

38 रजिस्ट्रियों के 18.74 करोड़ रुपए संस्था के खाते में नहीं पहुंचे

फरवरी 2026 में सहकारिता विभाग की जांच में सामने आया कि 2018 से 2023 के बीच वास्तविक सदस्यों को दरकिनार कर बाहरी लोगों के नाम करीब 50 रजिस्ट्रियां की गईं।इनमें से 32 रजिस्ट्रियां अवैध पाई गईं। जांच में 38 रजिस्ट्रियों की करीब 18.74 करोड़ रुपए की राशि संस्था के खाते में जमा नहीं होने की बात सामने आई।

ऑपरेटर अनिल कुमार रावत की रिपोर्ट में फर्जी दस्तावेजों और हैंडराइटिंग में हेरफेर के जरिए वास्तविक सदस्यों के अधिकार छीने जाने का उल्लेख है।ये रजिस्ट्रियां तत्कालीन अध्यक्ष अनिता विष्ट और तत्कालीन प्रबंधक मनोज साहू के कार्यकाल में हुई थीं।

भोपाल के तरावली गांव में आबकारी विभाग का छापा

12 भट्टी, 30 से ज्यादा ड्रम-2 बॉयलर जब्त, 10-20 रु.में पन्नी में बेचते थे शराब

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल के तरावली गांव में आज सुबह पुलिस और आबकारी विभाग ने छापा मार कार्रवाई की। यहां से भारी मात्रा में कच्ची शराब जब्त की गई है। वहीं, 12 हाथ भट्टी, 2 बॉयलर, 30 से ज्यादा खाली-भरे ड्रम भी जब्त किए हैं। साथ ही अवैध शराब भी जब्ती में ली गई।

सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र सिंह धाकड़ के निर्देशन में कंट्रोलर वर्षा उइके और टीम ने यह कार्रवाई की। तड़के से ही भारी अमला यहां पहुंची और कार्रवाई शुरू की। इससे इलाके में अवैध शराब का कारोबार करने वालों में हड़कंप मच गया। जंगल में अवैध शराब बनाई जा रही थी, जो गांव से दूर है। ताकि, किसी को भनक नहीं लगे। टीम यहां पहुंची और कार्रवाई शुरू की। करीब दो घंटे तक कार्रवाई चली।पुलिस-आबकारी के 52 अधिकारी, 175 कर्मचारी मौजूद

रहे संयुक्त कार्रवाई में पुलिस और आबकारी विभाग के 52 अधिकारी और 175 कर्मचारी मौजूद रहे। कार्रवाई की भनक लगते ही डेरे में मौजूद लोग अपने घरों को छोड़कर मौके से फरार हो गए। दबिश के दौरान अलग-अलग डेरों में खुले एवं खाली पड़े घरों की तलाशी में कुल लगभग 275 लीटर अवैध हाथ भट्टी मदिरा एवं 15000 किलो ग्राम लाहन बरामद हुआ। तलाशी के दौरान जमीन के अंदर अवैध रूप से बनाई गई 12 भट्टियां भी पाई गईं, जिन्हें नष्ट किया गया। इनमें से 2 बॉयलर, जिनमें मदिरा तैयार की जाती थी, जब्त कर वैधानिक कार्रवाई की गई।

बैरसिया रोड पर खुलेआम बिक्री

भोपाल से 40km दूर बैरसिया रोड पर लक्ष्मणपुरा गांव। यहीं से तरावली मंदिर जाने का रास्ता है। यहां पर तरावली समेत आसपास के गांवों में बनने वाली शराब बेची जाती है। करीब एक किलोमीटर के दायरे में पन्नियों में 10 से 20 रुपए में शराब बिकती है। यहां पर आबकारी विभाग कार्रवाई भी करता है, लेकिन कुछ दिन बाद फिर से शराब बिकना शुरू हो जाती है।

टीम में यह रहे मौजूद कार्रवाई में एसडीओपी बैरसिया वैशाली करहेलिया, एसडीओपी दुर्जन सिंह बरकड़े, थाना प्रभारी बैरसिया रामबाबू चौधरी, थाना प्रभारी गुनगा रिंकू जाटव, निरीक्षक नरेंद्र यादव, आबकारी विभाग के बैरसिया वृत्त प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी सुरेंद्र देवांगन, उप निरीक्षक चंदर सिंह सहित भोपाल जिला आबकारी, राज्य स्तरीय उड़नदस्ता, संभागीय उड़नदस्ता के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

बप्पा के जयकारों से गूंजा वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन का भोपाल कार्यालय

भोपाल। दोपहर मेट्रो

देश भर में चल रहे गणेश उत्सव की धूम के बीच मध्यप्रदेश वेअरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स कार्पोरेशन क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल में बप्पा का स्वागत उत्साह के साथ किया गया। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश वेअरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स कार्पोरेशन क्षेत्रीय कार्यालय भव्य गणेश आरती का आयोजन किया गया एवं गणपति बप्पा मोरया के जयघोष करते हुये समस्त कार्यालयीन अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सम्मिलित होकर गणपति जी का आशिर्वाद प्राप्त किया।

इस तरह के आयोजनों पर बात करते हुए कार्यालय के क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा कहा गया कि,, 'ऑफिस में ऐसे त्योहारों को मनाने से न केवल कर्मचारियों को मानसिक शांति मिलती है, बल्कि आपसी टीम भावना और सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार होता है।' आरती में राजेश अग्रवाल (क्षेत्रीय प्रबंधक), एकेसक्सेना, अभिषेक आंचले, सु आरती कुशवाहा, शैलेष पाटिल, अमरचंद मालवीय, मस्तराम चिरोंजे, मति मनीषा घोटे, मति सरोज सक्सेना, सु साधना पवार, सु ऐश्वर्या सेंगर, मति रक्षा कुमरे, सु अंजली डोंगरे, सु ईशा राठौर, सु नेहा मेहरा, शिवा नामदेव, मुकेश साहू, ओमप्रकाश गौर, मति अर्चना शर्मा, सु शुभा तिवारी, अनिल गुप्ता, राज वर्मा, राज पवार, मदनलाल जाटव, अमरचंद रैकवार, मति कमलेश झारिया, मति प्रमिला तंवर, देवशंकर साहू, विजय सेन, आकाश मोरे एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

वन विहार में फोटोग्राफी विजुअल क्रिएशन क्लब का फोटो वॉक संपन्न

भोपाल। दोपहर मेट्रो

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के फोटोग्राफी एवं विजुअल क्रिएशन क्लब द्वारा वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में फोटो वॉक का आयोजन किया गया। सिनेमा स्टडीज के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए प्रकृति और वन्यजीवन फोटोग्राफी का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।

फोटो वॉक का नेतृत्व आदित्य कुमार चौरसिया ने किया। Lumi& India के तकनीकी विशेषज्ञ श्री राजेश प्रजापति ने विद्यार्थियों को कैमरा बॉडी, फोकसिंग, जूम, शूटिंग मोड और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी के व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने Lumi& कैमरों की High-Resolution Zoom तकनीक का प्रदर्शन करते हुए बताया कि लुमिक्स के मिरोरलेस कैमरा के साथ हर परिस्थिति में सुपर-टेलीफोटो लेंस की आवश्यकता नहीं होती। इस अवसर पर आदित्य कुमार चौरसिया ने कहा कि Lumi& के आधुनिक कैमरों में कई एडवांस्ड फीचर्स हैं, जो इन्हें वैल्यू फॉर मनी बनाते हैं। 'फोटो वॉक के दौरान विद्यार्थियों ने लाइटिंग, फ्रेमिंग, कम्पोजिशन और प्रकृति को देखने की दृष्टि के साथ-साथ धैर्य और संवेदनशीलता का महत्व भी सीखा।इस अवसर पर मयंक यदुवंशी, उदय अस्थाना, अभिषेक मिश्रा, स्वतंत्र पांडे, उज्ज्वल भार्गव, नैतिक सिंह, अवनी जैन, मानसी विश्वकर्मा, ईशान माहेश्वरी, कुणाल,उपलक्ष और आदित्य चौरसिया समेत अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे।फोटोग्राफी एवं विजुअल क्रिएशन क्लब की यह पहल विद्यार्थियों को कक्षा से बाहर वास्तविक परिस्थितियों में फोटोग्राफी और दृश्य-संचार सीखने का अवसर प्रदान करने वाली रही।

पेंशनर्स को एरियर्स न देने कोर्ट जाएगी जाएगी सरकार फाइनेंस ने सभी विभागों को स्थगन लेने को कहा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के पेंशनर्स को 59 महीने का एरियर्स देने के बजाय राज्य सरकार इस मामले में कोर्ट से स्थगन लेने की तैयारी में है। इसको लेकर वित्त विभाग ने राज्य शासन के सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने विभाग से संबंधित मामले में 32 माह और 27 माह के अलग-अलग पेंशन पुनरीक्षण एरियर्स की राशि का भुगतान करने के बजाय इश मामले में प्रभारी अधिकारी या शासकीय अधिवक्ता के माध्यम से स्थगन हासिल करने के लिए प्रयास करें।

राज्य शासन ने पेंशन पुनरीक्षण एरियर से जुड़े लंबित मामलों को लेकर सभी विभागों के साथ संभागीय आयुक्तों और जिला कलेक्टरों को भी इसी तरह के निर्देश जारी किए हैं।

जारी आदेश के अनुसार 1 जनवरी 2006 से 31 अगस्त 2008 तक के 32 माह तथा 1 जनवरी 2016 से 31 मार्च 2018 तक के 27 माह की अवधि के पेंशन पुनरीक्षण एरियर भुगतान से संबंधित प्रकरणों में कार्रवाई की जानी है। इन मामलों में भुगतान के बजाय स्थगन हासिल करने के लिए काम करना है।

वित्त विभाग ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ के आदेशों का उल्लेख करते हुए कहा है कि इस विषय से जुड़े मामलों में न्यायालय के समक्ष आगे की कार्यवाही की स्थिति स्पष्ट है। आदेश में WA-760/2026 और WA-2182/2025 में पारित आदेशों का संदर्भ दिया गया है।

संबंधित कानूनी मुद्दे को बड़ी पीठ के समक्ष भेजे जाने के कारण सुनवाई फिलहाल लंबित है और संबंधित आदेशों के संचालन पर स्थगन प्रभावी है। वर्तमान में प्रदेश में चार लाख से अधिक पेंशनर्स हैं लेकिन आदेश में यह स्पष्ट नहीं है कि कितने मामलों में एरियर्स की राशि दिया जाना है।

32 और 27 माह के पेंडिंग हैं केस

इसलिए कोर्ट से स्टे लेने की तैयारी में सरकार ताकि 4400 करोड़ न देना पड़े

1 जनवरी 2006 से 31 अगस्त 2008 तक के 32 माह का एरियर जिन पेंशनर्स का बाकी है उनकी संख्या 2 लाख 46 हजार है। इन्हें छठवें वेतनमान का एरियर नहीं दिया गया है। इस पर 400 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसलिए सरकार इसे टाल रही है। इसी तरह अब सातवें वेतनमान का भी एरियर देना है, इसके दायरे में 4:50 लाख पेंशनर आ रहे हैं। इनका एरियर 1 जनवरी 2016 से जुलाई 2018 तक का है जिस पर सरकार को 4000 करोड़ का खर्च उठाना पड़ेगा।

लंबित मामलों में क्या करना होगा

वित्त विभाग ने निर्देश दिए हैं कि पेंशन पुनरीक्षण एरियर भुगतान से जुड़े सभी लंबित प्रकरणों और अवमानना याचिकाओं में हाईकोर्ट द्वारा पारित स्थगन आदेशों के आधार पर आवश्यक विधिक स्थगन प्राप्त करने की कार्रवाई शासकीय अधिवक्ता के माध्यम से सुनिश्चित की जाए।

पेंशनर्स के लिए इसका मतलब

इस आदेश का सीधा संबंध उन पेंशनर्स से है जिनके 32 माह और 27 माह की संबंधित अवधि के पेंशन पुनरीक्षण एरियर से जुड़े मामले न्यायालयों में लंबित हैं।

हालांकि, इस आदेश में तत्काल सभी पेंशनर्स को एरियर भुगतान शुरू करने का निर्देश नहीं, बल्कि लंबित न्यायिक मामलों में कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही गई है।

यानी फिलहाल मामला न्यायिक प्रक्रिया से जुड़ा है और आगे की कार्रवाई संबंधित न्यायालयों के आदेशों पर निर्भर रहेगी।

मेट्रो एंकर

6300 किमी रेंज वाले Bombardier Jet में हैं कई खासियत

प्रदेश सरकार का नया जेट 'चैलेंजर 3500' टोरंटो से 26को भरेगा उड़ान

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश सरकार का नया मिड-साइज जेट बोंबार्डियर चैलेंजर 3500 अगले सप्ताह 26 या 27 सितंबर को कनाडा के टोरंटो से भारत के लिए उड़ान भरेगा। इसके 30 सितंबर तक भोपाल के राजा भोज विमानतल पहुंचने की संभावना है। विमानन विभाग के मुताबिक कंपनी ने हैंडओवर और क्वालिटी वेरिफिकेशन के लिए 22 से 26 सितंबर का शेड्यूल तय किया है।

पायलट और तकनीकी टीम करेगी परीक्षण

इस दौरान मध्यप्रदेश के पायलट और तकनीकी टीम विमान का परीक्षण करने के साथ ऑपरेशन और मेंटेनेंस की प्रक्रिया समझेगी। करीब 6300 किमी अधिकतम रेंज वाले इस विमान को टोरंटो से भारत तक करीब 11,500 किमी की यात्रा में कम से कम एक तकनीकी स्टॉप लेना होगा। यह स्टॉप लंदन या फ्रैंकफर्ट में होने की संभावना है। लंबी दूरी के कारण बिना रुके उड़ान संभव नहीं है।

भारत पहुंचने पर सबसे पहले विमान का कस्टम्स क्लियरेंस लेना होगा। विमान भारत के जिस एयरपोर्ट पर लैंड करेगा, वहां केंद्रीय सीमा शुल्क विभाग को आयात दस्तावेज, बिल ऑफ एंट्री और डीजीएफटी का इंपोर्ट लाइसेंस देकर क्लियरेंस लेना होगा। इसके बाद इसे डीजीसीए में भारतीय रजिस्ट्रेशन लेना होगा।गौरतलब है कि डिलीवरी के समय विमान अस्थायी फ्री-फ्लाइट (फेरी कॉल साइन) पर भारत लाया जाता है। भारत पहुंचने पर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को विमान से जुड़े सभी दस्तावेज सौंपे जाएंगे। इसके बाद विमान को भारतीय राष्ट्रीयता कोड ङ्क्ल्ल (वायसराय टेरिटरी) का आधिकारिक रजिस्ट्रेशन नंबर आवंटित करेगा।इसके बाद डीजीसीए के एयरवर्दीनेस अधिकारी भोपाल स्थित स्टेट हैंगर पर विमान का भौतिक और तकनीकी निरीक्षण करेंगे। सभी सेफ्टी चेक, मेंटेनेंस शेड्यूल और एवियोनिक्स टेस्ट पास होने के बाद डीजीसीए की ओर से सर्टिफिकेट ऑफ एयरवर्दीनेस जारी करेगा।

पीएचक्यू के सामने ही बेखौफ बदमाश ऑटो सवार महिला टीचर से झपटा पर्स, मंगलसूत्र और मोबाइल ले उड़े

भोपाल। पुलिस मुख्यालय के सामने ही बाइक सवार तीन बदमाश ऑटो सवार शिक्षिका का पर्स झपटकर फरार हो गए। वारदात रविवार देर रात करीब 12 बजे जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में हुई।

महिला छतरपुर से भोपाल पहुंची थी और अपने पति के साथ रेलवे स्टेशन से ऑटो लेकर अरेरा कॉलोनी स्थित घर जा रही थी। वारदात के 24 घंटे बाद भी पुलिस आरोपियों का सुराग नहीं लगा सकी है।जहांगीराबाद पुलिस के अनुसार अरेरा कॉलोनी निवासी रितु गुप्ता निजी स्कूल में शिक्षिका हैं। उनके पति इलेक्ट्रिकल इंजीनियर हैं। रविवार रात वह छतरपुर से भोपाल पहुंचीं। रेलवे स्टेशन से पति के साथ ऑटो में बैठकर घर जा रही थीं।

इसी दौरान पीएचक्यू के सामने बाइक सवार तीन बदमाश ऑटो के पास पहुंचे और साइड में लटक रहा उनका पर्स झपट लिया। वारदात के बाद तीनों बदमाश बाइक से फरार हो गए।

मंगलसूत्र और मोबाइल भी गए

पर्स में मोबाइल फोन, मंगलसूत्र और अन्य सामान रखा था। घटना के बाद महिला जहांगीराबाद थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

भागीरथपुरा के बाद भूमिगत पाइपलाइनों की होगी रोबोटिक जांच

बिना सड़क खोदे ही खुलेगा पानी-सीवर के घालमेल का काला राज

70 से 900 मिलीमीटर तक की पाइपलाइनों की होगी पड़ताल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी की घटना के बाद मध्यप्रदेश सरकार ने पेयजल और सीवर पाइपलाइनों के बीच संभावित घालमेल की पहचान के लिए भूमिगत रोबोटिक जांच कराने का फैसला लिया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने प्रदेश के सभी नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर परिषदों को 70 से 900 मिलीमीटर व्यास वाली पानी और सीवर पाइपलाइनों की जांच कराने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए चेन्नई की पेरमा-लिनियर इंडस्ट्रीज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड को सबसे कम दर की बोली के आधार पर सूचीबद्ध किया गया है। पाइपलाइन जांच की दर 40 रुपए प्रति मीटर रखी गई है और अवधि एक वर्ष है। निविदा में कंपनी की 40 रुपए प्रति मीटर की दर सबसे कम रही, जबकि अन्य दो बोलीदाताओं ने 400 और 440 रुपए प्रति मीटर की दर दी थी।

भागीरथपुरा के बाद सामने आया बड़ा खतरा- दिसंबर 2025 के अंत में इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पेयजल की घटना के बाद पानी और सीवर नेटवर्क की सुरक्षा पर सवाल उठे। उपलब्ध जांच संबंधी रिपोर्टों के अनुसार क्षेत्र में कई स्थानों पर सीवर और पेयजल पाइपलाइनों के बीच संपर्क की स्थिति सामने आई थी। इसके बाद प्रदेशभर में पाइपलाइन नेटवर्क की स्थिति और उन स्थानों की पहचान पर ध्यान दिया गया, जहां दोनों तरह की लाइनें एक-दूसरे को काटती हैं।

बिना खुदाई पाइप के अंदर पहुंचेगा रोबोट

रोबोटिक जांच की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि पाइपलाइन की अंदरूनी स्थिति देखने के लिए पूरी सड़क खोदने की जरूरत नहीं होगी। रोबोट को मौजूदा मैनहोल या उपलब्ध प्रवेश बिंदु से पाइपलाइन के अंदर भेजा जा सकता है। इसमें उच्च गुणवत्ता वाला कैमरा और सेंसर लगे होंगे, जो पाइप के भीतर की तस्वीर और स्थिति दर्ज करेंगे। इस तरह पाइपलाइन में दरार, टूट-फूट, रिसाव, अवरोध और अन्य तकनीकी गड़बड़ियों की पहचान की जा सकेगी। नीति आयोग के अग्रणी प्रौद्योगिकी मंच की अगस्त 2026 की जानकारी के अनुसार भारत के कई राज्यों में ऐसी रोबोटिक प्रणालियों का इस्तेमाल भूमिगत पाइपलाइनों की जांच के लिए किया जा रहा है। चेन्नई स्थित सोलिनास की 'एंडोबॉट' प्रणाली विभिन्न व्यास की पाइपलाइनों में जाकर कैमरों और सेंसर के माध्यम से दरार और अन्य खराबियों की पहचान करती है तथा भूमिगत नेटवर्क का डिजिटलीकरण करने में भी मदद करती है।

15 से ज्यादा राज्यों में हो रहा तकनीक का इस्तेमाल

नीति आयोग के अग्रणी प्रौद्योगिकी मंच के अनुसार रोबोटिक पाइपलाइन निरीक्षण तकनीक का इस्तेमाल 15 से अधिक राज्यों में किया जा रहा है। तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश और दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सहित कई जगहों पर भूमिगत पाइपलाइनों की स्थिति जांचने में रोबोट, कैमरे, सेंसर और भौगोलिक मानचित्रण तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में प्रस्तावित व्यवस्था का उद्देश्य पाइपलाइनों की अंदरूनी स्थिति का पता लगाकर जोखिम वाले हिस्सों की पहचान करना है। जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित नगरीय निकाय मरम्मत, सुधार या पाइपलाइन बदलने की जरूरत वाले हिस्सों को चिन्हित कर सकेंगे।

दो लाख से ज्यादा स्थानों पर पानी-सीवर लाइनें आमने-सामने

प्रदेश में भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित मानचित्रण के जरिए पेयजल और सीवर पाइपलाइनों के क्रॉसिंग बिंदुओं की पहचान की गई है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक मध्यप्रदेश में ऐसे 2.30 लाख से अधिक स्थान चिह्नित हुए हैं, जहां दोनों नेटवर्क एक-दूसरे को पार करते हैं। इनमें इंदौर में करीब 30 हजार और भोपाल में 20 हजार से अधिक ऐसे बिंदु बताए गए हैं। इन स्थानों पर पाइपलाइन में रिसाव या टूट-फूट होने पर दूषित पानी के पेयजल लाइन में पहुंचने की आशंका की जांच की जाएगी।

1.50 करोड़ का अनुमान, 40 रुपए में मिली सबसे कम दर

पाइपलाइन निरीक्षण के लिए जारी निविदा में अनुमानित लागत 1.50 करोड़ रुपए और कार्य अवधि 365 दिन रखी गई थी। इसमें तीन कंपनियों ने भाग लिया। डिजिटल सर्विलॉन्स ने 440 रुपए प्रति मीटर, फार्म डील ने 400 रुपए और पेरमा-लिनियर इंडस्ट्रीज ने 40 रुपए प्रति मीटर की दर प्रस्तुत की। सबसे कम बोली के आधार पर पेरमा-लिनियर इंडस्ट्रीज को सूचीबद्ध किया गया है।

दीक्षांत समारोह की हाई-टी पर उठे सवाल

450 की दर से लेकर 750 रु. प्रति व्यक्ति तक का खर्च

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोहों में खान-पान और हाई-टी की व्यवस्था पर सवाल खड़े हुए हैं। सूचना के अधिकार के तहत मिले दस्तावेजों के अनुसार वर्ष 2022 के दीक्षांत समारोह से जुड़ी फाइल में हाई-टी की व्यवस्था को विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी ने बेहद असंतोषजनक बताया था। दूसरी ओर, इसी अवधि के दस्तावेजों में प्रति व्यक्ति हाई-टी के लिए अलग-अलग दरों के उल्लेख और बाद के समारोह में खान-पान पर लाखों रुपए के भुगतान का विवरण सामने आया है।

2022 में व्यवस्था पर वित्त अधिकारी ने जताई नाराजगी

13 अक्टूबर 2022 की हाई-टी व्यवस्था से संबंधित फाइल में वित्त अधिकारी की टिप्पणी दर्ज है कि व्यवस्था अत्यंत असंतोषजनक थी। दस्तावेज के अनुसार करीब 15 से 20 लोगों के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। अधिकारी ने परिचय देने के बाद केवल आधा कप काली चाय मिलने का उल्लेख किया। फाइल में यह भी टिप्पणी की गई कि देयक पर निर्णय लेने से पहले मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम के प्रबंधक को चर्चा के लिए बुलाना उचित होगा।

2023 में खान-पान पर 4.47 लाख की स्वीकृति

एक अन्य नोटशीट में वर्ष 2023 के दीक्षांत समारोह के खर्च का विवरण दिया गया है। इसमें राजाभोज हॉल का किराया 2 लाख रुपए, विशिष्ट अतिथि हाई-टी 7,500 रुपए, हाई-टी 1,54,700 रुपए और छप्पन भोग के नाश्ता पैकेट के लिए 40,950 रुपए दर्ज हैं। इसके अलावा हॉल पर 18 प्रतिशत कर के रूप में 36 हजार रुपए और हाई-टी पर 5 प्रतिशत कर के रूप में 8,110 रुपए का उल्लेख है। नोटशीट में इन सभी मदों को मिलाकर कुल 4 लाख 47 हजार 260 रुपए के भुगतान की स्वीकृति मांगी गई थी। दस्तावेज सामने आने के बाद

पने सभागार के बावजूद बाहरी हॉल क्यों?

मामले में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र धर्मेंद्र सिंह गौर ने बाहरी हॉल के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जब विश्वविद्यालय के पास अपना सभागार उपलब्ध था, तो दीक्षांत समारोह के लिए बाहरी हॉल लेने की आवश्यकता क्यों पड़ी। उन्होंने पूरे मामले की उच्च स्तर पर शिकायत कर खर्च और व्यवस्था की जांच कराने की मांग की है। मामले में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार एसबी सिंह से प्रतिक्रिया लेने का प्रयास किया गया। उन्हें संदेश भी भेजा गया, लेकिन उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हुई।

लाल परेड मैदान में होगा राज्य स्तरीय समारोह

किसान कल्याण से गूंजेगा मप्र स्थापना दिवस कृषि नवाचार-उपलब्धियों की लगेगी प्रदर्शनी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस इस बार 'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' की थीम पर किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाए जा रहे वर्ष 2026 के अनुरूप कृषि विकास और किसान कल्याण पर केंद्रित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निर्देश दिए हैं कि 1 नवंबर को होने वाले स्थापना दिवस समारोह में उन्नत कृषि, प्राकृतिक खेती और कृषि क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए। कृषि में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले किसानों, उद्यमियों और युवाओं को सम्मानित भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने मंत्रालय में हुई बैठक में कहा कि स्थापना दिवस केवल राज्य स्तरीय आयोजन नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश का उत्सव है। इसलिए राज्य के साथ सभी जिलों में भी उत्साह और उल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने सभी शासकीय भवनों पर 1 नवंबर की रात रोशनी करने तथा प्रदेश की प्रतिभाओं को कला, योग्यता और क्षमता के प्रदर्शन का अवसर देने के निर्देश दिए। समारोह में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

जिलों की उपलब्धियां भी होंगी प्रदर्शित

जिला मुख्यालयों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ जिले के उत्कृष्ट कार्यों और स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। जिला स्तरीय समारोहों में जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, उद्योगपतियों, व्यवसायियों, धर्मगुरुओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, स्वतंत्रता सेनानियों और लोकतंत्र सेनानियों को आमंत्रित किया जाएगा। शहीद सैनिकों के परिजन तथा उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले स्व-सहायता समूहों और नव उद्यमियों से जुड़े लोगों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थापना दिवस प्रदेश की उपलब्धियों, परंपराओं और प्रतिभाओं को सामने लाने का अवसर है। इसलिए समारोहों में जनभागीदारी के साथ कृषि विकास, सांस्कृतिक विरासत और प्रदेश की प्रतिभा को प्रमुख स्थान दिया जाए।

प्रतिष्ठित कलाकार देंगे प्रस्तुति

1 नवंबर की शाम सुगम संगीत का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें देश के प्रतिष्ठित कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। समारोह के दौरान आकर्षक आतिशबाजी भी की जाएगी। आयोजन स्थल पर बैठक व्यवस्था, यातायात और सुरक्षा को लेकर भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

अतिथि विद्वानों का आंदोलन 3 अक्टूबर तक स्थगित, बोले-

मंत्री को फिर चुनौती दी, विद्वान जनता पार्टी ने परमार के खिलाफ चुनाव लड़ने किया ऐलान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल के नीलम पार्क में नियमितीकरण और नौकरी में स्थायित्व की मांग को लेकर चल रहा अतिथि विद्वानों का आंदोलन 3 अक्टूबर तक स्थगित कर दिया गया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा है कि आंदोलन खत्म नहीं हुआ है, बल्कि सरकार को समस्या के समाधान के लिए समय दिया गया है। 3 अक्टूबर तक फॉलन आउट प्रक्रिया रोकने और नीति बनाने पर ठोस फैसला नहीं हुआ तो 4 अक्टूबर से प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू करने की बात कही गई है। इसके साथ ही अतिथि विद्वानों ने मंत्री इंदर सिंह परमार के सुझाव के आधार पर राजनीतिक पार्टी बनाने और चुनाव लड़ने पर भी फैसला लेने की बात कही है। अतिथि विद्वान डॉ. राकेश कुमार सिंह ने बताया कि उच्च शिक्षा आयुक्त प्रबल सिपाहा मंत्री इंदर सिंह परमार के प्रतिनिधि के रूप में नीलम पार्क पहुंचे थे। प्रतिनिधिमंडल ने मांग रखी कि जब तक स्थायित्व की नीति नहीं बन जाती, तब तक फॉलन आउट

4 अक्टूबर से 'विद्वान जनता पार्टी' पर फैसला

डॉ. राकेश कुमार सिंह के अनुसार, 3 अक्टूबर तक मांगों पर समाधान नहीं हुआ तो 4 अक्टूबर से आंदोलन का अगला चरण शुरू होगा। उन्होंने बताया कि 15 सितंबर को सांकेतिक रूप से 'विद्वान जनता पार्टी' (वीजेपी) के गठन की घोषणा की जा चुकी है। डॉ. सिंह ने कहा कि यदि फॉलन आउट नहीं रोका गया तो मंत्री इंदर सिंह परमार के सुझाव के आधार पर अतिथि विद्वान अपनी पार्टी बनाकर चुनाव लड़ने पर निर्णय लेंगे। इंदौर से आईं नेट और पीएचडी योग्यताधारी डॉ. सुप्रिया अग्रवाल ने बताया कि वह करीब 10 साल से अतिथि विद्वान के तौर पर सेवाएं दे रही हैं। उनके मुताबिक, किसी कॉलेज में नई नियुक्ति या तबादला होने पर उन्हें फॉलन आउट कर दिया जाता है, जिससे रोजगार का संकट खड़ा हो जाता है।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

भोपाल। लोक निर्माण विभाग के कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए तैयार कार्य योजना के अंतर्गत 20 सितम्बर को सात जिलों में 35 निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया गया। मुख्य अभियंताओं के सात दलों ने नर्मदापुरम, जबलपुर, दतिया, आलीराजपुर, मऊगंज, आगर-मालवा और टीकमगढ़ जिलों में रैंडम आधार पर चयनित निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण किए गए कार्यों में लोक निर्माण विभाग सड़क एवं पुल के 21, परियोजना क्रियान्वयन इकाई (पीआईयू-भवन) के चार, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के पांच, मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के तीन तथा राष्ट्रीय राजमार्ग के दो कार्य शामिल हैं।

परिवहन विभाग में जल्द होगी भर्ती

कैडर रिव्यू के बाद भरे जाएंगे 874 पद अभी आधी क्षमता से चल रहा डिपार्टमेंट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में पंजीकृत वाहनों की संख्या ढाई करोड़ के करीब पहुंच गई, लेकिन इनकी निगरानी, जांच सहित अन्य जिम्मेदारी संभालने वाले परिवहन विभाग का अमला लगातार कम होता जा रहा है। वर्तमान में यहां स्वीकृत 1696 पदों में से 874 यानी 51.5 प्रतिशत पद रिक्त हैं, केवल 822 कर्मचारी-अधिकारी कार्यरत हैं। यह स्थिति तब है जबकि प्रदेश में वाहनों की संख्या पिछले डेढ़ दशक में ढाई गुना बढ़ गई है।

परिवहन विभाग की पदवार स्थिति के अनुसार क्षेत्रीय/अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी के सभी 38 पद रिक्त हैं, जबकि क्षेत्रीय उप परिवहन आयुक्त के 10 में से एक पद रिक्त है। इसी तरह से सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों के 64 पदों में से 23, परिवहन निरीक्षक के 70 में 65 एवं मोटरयान परिवहन निरीक्षक के 15 में छह पद रिक्त हैं।

वाहन संख्या के अनुपात में नहीं बढ़े पद

विभागीय आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में अभी पंजीकृत वाहनों की संख्या 2.42 करोड़ से अधिक है। जबकि वर्ष 2011 में यह संख्या करीब एक करोड़ थी। यानी पिछले 15 साल में ढाई गुना की बढ़ोतरी हुई, लेकिन इस अनुपात में परिवहन विभाग के स्वीकृत पदों में बढ़ोतरी नहीं की गई। विभाग ने सेवाओं को ऑनलाइन करने की दिशा में काम किया, लेकिन यह व्यवस्था भी तभी संभव है जब उसके पीछे जांच, सत्यापन और प्रवर्तन के लिए पर्याप्त अमला हो।

एमपी नीट यूजी 2026 माप-अप राउंड का शेड्यूल जारी

28 सितंबर से फ्रेश रजिस्ट्रेशन 10 अक्टूबर को आएगा रिजल्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

चिकित्सा शिक्षा विभाग ने एमपी स्टेट कंबाइंड नीट यूजी काउंसलिंग 2026 के मॉप-अप राउंड का टेंटेटिव टाइम शेड्यूल जारी कर दिया है। संचालक चिकित्सा शिक्षा की ओर से जारी आदेश के अनुसार एमबीबीएस और बीडीएस की खाली सीटों पर प्रवेश के लिए मॉप-अप राउंड की प्रक्रिया 28 सितंबर से शुरू होगी।

ऐसा रहेगा टाइम शेड्यूल

- नीट यूजी 2026 में क्वालिफाइड और अब तक पंजीयन नहीं कराने वाले अभ्यर्थी इस चरण में फ्रेश रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे।
- 28 सितंबर से दो अक्टूबर तक रात 11:59 बजे तक फ्रेश रजिस्ट्रेशन होगा।
- 3 अक्टूबर को रिवाइज्ड स्टेट मेरिट लिस्ट, पात्र अभ्यर्थियों की सूची और रिक्त सीटों की जानकारी जारी होगी।
- 4 से 7 अक्टूबर तक रात 11:59 बजे तक च्वाइस फिलिंग व लॉकिंग होगा।
- मॉप-अप राउंड में शामिल होने वाले सभी अभ्यर्थियों को नई च्वाइस फिलिंग करना अनिवार्य होगा।
- 10 अक्टूबर को सीट अलॉटमेंट रिजल्ट जारी होगा।
- 11 से 14 अक्टूबर शाम 6 बजे तक अभ्यर्थियों को आवंटित मेडिकल या डेंटल कॉलेज में दस्तावेज सत्यापन और प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

मेट्रो एंकर | 9,339 शासकीय हाई और हायर सेकंडरी स्कूलों में एक साथ होगा आयोजन

उमंग दिवस: 22 लाख से अधिक विद्यार्थी सीखेंगे जीवन कौशल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के शासकीय हाई और हायर सेकंडरी स्कूलों में पढ़ने वाले करीब 22 लाख विद्यार्थियों के जीवन कौशल, मानसिक स्वास्थ्य, लैंगिक समानता और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के लिए 'उमंग है तो जिंदगी में रंग है' थीम पर उमंग दिवस आयोजित किया जा रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के संयुक्त तत्वावधान में प्रदेश के 9,339 शासकीय हाई और हायर सेकंडरी स्कूलों में एक साथ कार्यक्रम होंगे।

उमंग दिवस का उद्देश्य किशोर-किशोरियों को जीवन की चुनौतियों का सकारात्मक तरीके से सामना करने, अपनी भावनाओं को समझने, आत्मविश्वास बढ़ाने और एक-दूसरे के प्रति सम्मान व संवेदनशीलता विकसित करने के लिए प्रेरित करना है। विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ जरूरत पड़ने पर सहायता और परामर्श सेवाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

कार्यक्रम में 'उमंग त्रिवेणी' के माध्यम से तीन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान दिया जाएगा। 'उमंग एसएचडब्ल्यूपी' के तहत विश्व स्वास्थ्य संगठन के 10 प्रमुख जीवन कौशल विकसित करने और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ 14425 हेल्पलाइन की जानकारी दी जाएगी।

'उज्ज्वल' पहल के माध्यम से विद्यार्थियों, विशेषकर लड़कों को लैंगिक समानता और सम्मान की भावना विकसित करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। वहीं 'सशक्त' पहल में छात्राओं को आत्मरक्षा के व्यावहारिक तरीके सिखाने के साथ शारीरिक स्वायत्तता के प्रति जागरूक किया जाएगा।

कार्यक्रम में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को भी शामिल किया गया है। इनके लिए संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के सहयोग से गतिविधि आधारित विशेष मार्गदर्शिका तैयार की गई है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए 110 मास्टर ट्रेनर्स द्वारा 9,449 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों की कार्यक्रम में सक्रिय और सार्थक भागीदारी सुनिश्चित की जा सकेगी।

टाई घंटे में होंगी रोचक गतिविधियां

प्रत्येक स्कूल में करीब 150 मिनट का विशेष कार्यक्रम होगा। इसमें उमंग एंथम, विद्यार्थियों के सवालों के गोपनीय समाधान के लिए 'मेरी पाती' ड्रॉप बॉक्स, चार एम्पावरमेंट स्टेशन—ड्रीम कैचर, 'सशक्त' सेल्फ डिफेंस, 'उज्ज्वल' रोल प्ले और व्हिस्पर गेम—के साथ 'रंग-ए-उमंग' वॉल जैसी गतिविधियां आयोजित होंगी। विद्यार्थियों के भावनात्मक स्वास्थ्य और मानसिक कल्याण को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक विद्यालय के लिए विशेष जागरूकता पोस्टर भी वितरित किए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य ऐसा संवेदनशील और सकारात्मक वातावरण तैयार करना है, जहां विद्यार्थी अपनी बात सहजता से रख सकें और जरूरत के समय सहयोग प्राप्त कर सकें। उमंग दिवस के जरिए विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, जिम्मेदारी, संवेदनशीलता और समानता की भावना विकसित करने पर जोर दिया जाएगा।

आत्मनिर्भरता और रोजगार

2013-14 का दौर देश की राजनीतिक स्मृति में अब भी दर्ज है, जब महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी बड़े सवाल थे। रोजगार तब भी उम्मीद का केंद्र था और आज भी है। फर्क इतना है कि एक दशक से अधिक समय बीतने के बाद भी लाखों युवाओं की आंखों में नौकरी का इंतजार बना हुआ है। 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले हर साल दो करोड़ रोजगार देने का वादा चर्चा में था। सत्ता बदली, सरकार बनी और नरेंद्र मोदी लंबे समय से प्रधानमंत्री हैं। इस दौरान सरकार रोजगार सृजन के अलग-अलग आंकड़े प्रस्तुत करती रही है। सरकार का दावा है कि अर्थव्यवस्था में बड़ी संख्या में रोजगार पैदा हुए हैं। लेकिन रोजगार की संख्या और उसकी गुणवत्ता के बीच का अंतर आज भी बहस का विषय है। असल सवाल यही है कि क्या किसी युवा के पास कोई काम होना ही पर्याप्त है, या ऐसा काम भी जरूरी है जो उसकी शिक्षा, क्षमता और भविष्य को सुरक्षा दे? नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार केवल 8.25 प्रतिशत स्नातक ही अपनी योग्यता से सीधे जुड़े काम में हैं। यह आंकड़ा रोजगार की उस खामोश समस्या की ओर इशारा करता है, जिसे केवल बेरोजगारी दर से नहीं समझा जा सकता। बड़ी संख्या में युवा डिग्री लेकर निकलते हैं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं और फिर उपलब्ध किसी भी काम को स्वीकार करने के लिए मजबूर होते हैं। शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ती दूरी युवा वर्ग की आर्थिक असुरक्षा का संकेत है। कौशल विकास की तस्वीर भी इसी सवाल को सामने रखती है। केंद्र सरकार के अनुसार 2015 से दिसंबर 2025 तक प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत 1.64 करोड़ उम्मीदवारों को प्रशिक्षित या उन्मुख किया गया और 1.29 करोड़ प्रमाणित हुए। पहले तीन संस्करणों में 24.3 लाख के प्लेसमेंट की सूचना दी गई। यानी प्रशिक्षण से रोजगार तक पहुंचने वाली कड़ी को और मजबूत करने की जरूरत स्पष्ट है। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना भी युवाओं को उद्योग से जोड़ने का प्रयास है। योजना का लक्ष्य पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को अवसर देना है। लेकिन किसी भी योजना की असली सफलता अवसरों की घोषणा में नहीं, उनके बाद मिलने वाले वास्तविक रोजगार में होगी। रोजगार केवल चुनावी घोषणा या सरकारी आंकड़ा नहीं है। यह परिवार की आय, युवा की आत्मनिर्भरता और देश की आर्थिक दिशा से जुड़ा प्रश्न है।

दीप केवल तेल, बाती और मिट्टी से बनी वस्तु नहीं, सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

आप दीप जलाते हैं या नहीं जलाते, यह आपका व्यक्तिगत निर्णय है। किसी धार्मिक परंपरा को मानना, उससे दूरी रखना या अपने तरीके से उसका पालन करना, लोकतांत्रिक समाज में यह व्यक्ति की स्वतंत्रता का विषय है। लेकिन जब व्यक्तिगत पसंद या राजनीतिक असहमति की अभिव्यक्ति किसी धार्मिक प्रतीक और सांस्कृतिक परंपरा के सार्वजनिक उपहास तक पहुँच जाती है, तब सवाल केवल एक दीपक का नहीं रह जाता। सवाल यह होता है कि असहमति जताते समय हम दूसरों की आस्था और सांस्कृतिक संवेदनाओं का कितना सम्मान करते हैं।

भारतीय संस्कृति में दीपक का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। दीपावली का पूरा भाव ही प्रकाश, आशा और अंधकार पर प्रकाश की विजय से जुड़ा है। घर, मंदिर और अनेक शुभ अवसरों पर दीप प्रज्ज्वलित करने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। संध्या समय दीप जलाने की परंपरा भी अनेक भारतीय परिवारों में आज तक दिखाई देती है। इसलिए किसी के लिए दीप केवल तेल, बाती और मिट्टी से बनी वस्तु नहीं है; वह श्रद्धा, शुभता, ज्ञान और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक भी है।

इसी भाव को संस्कृत की प्रसिद्ध प्रार्थना में व्यक्त किया गया है– 'दीपो ज्योतिः परं ब्रह्म, दीपो ज्योतिर्जनार्दनः। दीपो हरतु मे पापं, संध्यादीप नमोऽस्तुते॥' अर्थात दीपक की ज्योति को परम प्रकाश के रूप में नमन किया गया है और उससे अज्ञान तथा नकारात्मकता दूर होने की कामना की गई है। यही कारण है कि किसी सनातनी परिवार में दीप प्रज्ज्वलित होना केवल एक सामान्य घरेलू गतिविधि नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से जुड़ा संस्कार हो सकता है। इसलिए दीप जलाना किसी पर थोपा नहीं जाना चाहिए, लेकिन दीप जलाने वाले व्यक्ति की आस्था का मजाक उड़ाना भी उचित नहीं माना जाना चाहिए। व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अर्थ केवल अपनी पसंद की स्वतंत्रता नहीं, बल्कि दूसरे की पसंद और आस्था के सम्मान की जिम्मेदारी भी है। इसी के साथ यह भी महत्वपूर्ण है कि जब किसी धार्मिक प्रतीक को किसी राजनीतिक आयोजन से जोड़ दिया जाता है, तो उस आयोजन पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कोई व्यक्ति यह पूछ सकता है कि सार्वजनिक संस्थानों में किसी राजनीतिक कार्यक्रम की भूमिका क्या होनी चाहिए, उसमें भागीदारी स्वैच्छिक है या नहीं और सरकारी संसाधनों का उपयोग किस सीमा तक उचित है। यहीं राजनीतिक आयोजन की आलोचना और सांस्कृतिक प्रतीक के अपमान के बीच अंतर करना जरूरी हो जाता है। यदि किसी कार्यक्रम में दीप जलाने को लेकर आपत्ति है, तो सवाल कार्यक्रम की राजनीतिक प्रकृति, प्रशासनिक भूमिका, खर्च या सहभागिता के तरीके पर होना चाहिए। स्वयं दीपक, पूजा या सनातन परंपरा को निशाना बनाना बहस को दूसरी दिशा में ले जाता है। इसी तरह, यदि कोई व्यक्ति राजनीतिक आयोजन का विरोध करता है, तो केवल इस आधार पर उसे भारतीय संस्कृति या धर्म-विरोधी कहना भी उचित नहीं होगा।

आज सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का मंच दिया है। इसके साथ एक समस्या भी आई है–व्यंग्य और आलोचना के बीच की सीमा कई बार धुंधली हो जाती है। कुछ शब्द या चित्र कुछ लोगों को सामान्य राजनीतिक व्यंग्य लग सकते हैं, लेकिन वही सामग्री किसी दूसरे व्यक्ति के लिए उसकी आस्था का अपमान महसूस हो सकती है। इसलिए सोशल मीडिया की स्वतंत्रता के साथ सामाजिक संवेदनशीलता भी जरूरी है।

जन्मदिन पर मोमबत्ती बुझाने की परंपरा का उदाहरण भी इसी संदर्भ में सामने आता है। आज जन्मदिन के अवसर पर केक काटना और मोमबत्तियां बुझाना व्यापक रूप से प्रचलित है। दूसरी ओर, भारतीय धार्मिक परंपरा में दीपक को शुभता और प्रकाश का प्रतीक मानने वाले लोग इसे अलग दृष्टि से देखते हैं। दोनों परंपराओं के सांस्कृतिक संदर्भ अलग हैं। इसलिए किसी एक को अपनाने या दूसरे से दूरी रखने को अपने आप में किसी व्यक्ति की देशभक्ति या संस्कृति के प्रति निष्ठा का प्रमाण नहीं बनाया जाना चाहिए।

फिर भी एक विचारणीय प्रश्न अवश्य है–क्या हम अपनी संस्कृति से जुड़े प्रतीकों के प्रति उतने ही संवेदनशील हैं, जितनी संवेदनशीलता हम दूसरे सांस्कृतिक प्रतीकों के लिए अपेक्षित करते हैं? यदि कोई व्यक्ति दीपावली पर दीप नहीं जलाना चाहता, उसे ऐसा करने की स्वतंत्रता है। लेकिन यदि कोई दूसरा व्यक्ति पूरे श्रद्धाभाव से दीप जलाता है, तो उसकी आस्था का उपहास क्यों किया जाए? इसी तरह यदि कोई व्यक्ति किसी राजनीतिक कार्यक्रम में दीप जलाकर सहभागिता करता है, तो उसकी आलोचना कार्यक्रम के राजनीतिक पक्ष पर होनी चाहिए, उसकी धार्मिक आस्था पर नहीं।

राजनीतिक बहस में पूर्व प्रधानमंत्रियों या दूसरे नेताओं के जन्मदिन समारोहों और कथित सरकारी खर्चों के उदाहरण भी दिए जाते हैं। ऐसे आरोपों को प्रमाणित करने के लिए संबंधित वर्ष, खर्च और आधिकारिक दस्तावेज सामने रखना आवश्यक है। बिना प्रमाण किसी व्यक्ति या पूर्व सरकार पर सार्वजनिक धन के दुरुपयोग का आरोप लगाना उचित नहीं है। आज की राजनीतिक बहस को मजबूत करने के लिए तथ्य चाहिए, केवल पुराने आरोप नहीं। वास्तविक प्रश्न कुछ रुपये के तेल और बाती का नहीं है। वास्तविक प्रश्न यह है कि सार्वजनिक जीवन में हमारी प्राथमिकताएं क्या हों और हमारी भाषा कैसी हो। क्या राजनीतिक मतभेद इतने तीखे हो जाएँ कि सांस्कृतिक प्रतीक भी निशाने पर आ जाएँ? क्या धार्मिक आस्था को राजनीतिक समर्थन का पर्याय मान लेना सही है? क्या दीप जलाने वाला व्यक्ति अनिवार्य रूप से किसी राजनीतिक विचार का समर्थक है? और क्या दीप न जलाने वाला व्यक्ति स्वतः संस्कृति-विरोधी है? इन प्रश्नों का उत्तर यही है कि व्यक्ति की आस्था और राजनीतिक पसंद को अलग-अलग समझना होगा। दीपक किसी के लिए पूजा है, किसी के लिए परंपरा, किसी के लिए संस्कृति और किसी के लिए केवल प्रकाश। उसकी व्याख्या अलग हो सकती है, लेकिन उसका अपमान किए बिना असहमति व्यक्त करना संभव है। हमारी संस्कृति की शक्ति केवल इस बात में नहीं कि हम दीप जलाते हैं; उसकी शक्ति इस बात में भी है कि हम विविध विचारों के बीच संवाद बनाए रखते हैं। दीप की लौ अंधकार को दूर करती है–उसी तरह विवेक, संयम और तथ्य सार्वजनिक बहस के अंधकार को दूर कर सकते हैं।

इसलिए दीप जलाइए या न जलाइए, यह आपका निर्णय है। किसी राजनीतिक आयोजन का समर्थन कीजिए या विरोध, यह भी आपका अधिकार है। लेकिन आस्था पर व्यंग्य करने से पहले और विरोध करते समय दूसरे की संवेदनाओं को चोट पहुँचाने से पहले इतना जरूर सोचिए कि असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, पर सम्मान उसकी मर्यादा।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

भारत में डेंगू वैक्सीन की दस्तक: बीमारी के खिलाफ नई उम्मीद की किरण

सौरभ वार्ष्णेय
स्तंभकार

भारत में डेंगू लंबे समय से एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। हर वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों में डेंगू के मामले सामने आते हैं और कई लोगों की जान भी चली जाती है। बदलते मौसम, शहरीकरण, जलभराव और मच्छरों के प्रजनन के अनुकूल परिस्थितियों के कारण डेंगू का दायरा लगातार चिंता का विषय बना हुआ है। वहीं इसका आतंक बड़े बड़े शहरों में अधिक है, ऐसे समय में डेंगू के खिलाफ वैक्सीन का भारत में उपलब्ध होने की खबर निश्चित रूप से उम्मीद जगाती है। यदि सब कुछ तय प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ता है तो देश में पहली डेंगू वैक्सीन के रूप में टेकेडा फार्मास्यूटिकल्स की क्यूडेंगा आने वाले वर्षों में लोगों के लिए उपलब्ध हो सकती है।

जापानी कंपनी टेकेडा फार्मास्यूटिकल्स और हैदराबाद स्थित डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के बीच हुआ समझौता इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। समझौते के तहत डॉ. रेड्डीज भारत के निजी बाजार में टेकेडा की क्यूडेंगा वैक्सीन के प्रमोशन और वितरण की जिम्मेदारी निभाएगी। कंपनियों के अनुसार, वैक्सीन को 2027 की पहली छमाही में भारत में लॉन्च किए जाने की संभावना है। हालांकि, इसके लिए आवश्यक स्थानीय नियामकीय और व्यावसायिक प्रक्रियाओं को पूरा करना अभी बाकी है। डेंगू के खिलाफ वैक्सीन का भारत में प्रवेश इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अब तक इस बीमारी से बचाव का मुख्य आधार मच्छरों की रोकथाम, साफ-सफाई और संक्रमित व्यक्ति की समय पर चिकित्सकीय देखभाल ही रहा है। डेंगू के लिए कोई ऐसी व्यापक रूप से उपलब्ध दवा नहीं है जो संक्रमण को सीधे खत्म कर सके। ऐसे में रोकथाम के लिए वैक्सीन की उपलब्धता सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में एक नया विकल्प जोड़ सकती है।

हालांकि, किसी भी नई वैक्सीन को लेकर उत्साह के साथ-साथ कुछ बुनियादी सवालों पर गंभीरता से विचार करना भी जरूरी है। सबसे पहला सवाल इसकी कीमत का है। फिलहाल क्यूडेंगा की भारत में कीमत को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। टेकेडा के इंटरकॉन्टिनेंटल मार्केट्स के प्रमुख महेंद्र नायक के अनुसार, भारत में मार्केटिंग ऑथराइजेशन की मंजूरी मिलने के बाद अभी स्थानीय प्रक्रियाओं को पूरा करना प्राथमिकता है। इन प्रक्रियाओं के पूरा होने से पहले वैक्सीन की कीमत का अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी। कीमत का सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि डेंगू केवल महानगरों या संपन्न वर्ग की समस्या नहीं है। इसका प्रभाव छोटे शहरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक दिखाई देता है। यदि वैक्सीन निजी बाजार में आती है और इसकी कीमत आम परिवारों की पहुंच से बाहर रहती है, तो इसका लाभ सीमित आबादी तक ही सिमट सकता है। इसलिए वैक्सीन की उपलब्धता जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण उसकी सामर्थ्य भी है।

यहां सरकार की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। कंपनियों ने संकेत दिया है कि क्यूडेंगा को भारत के सार्वजनिक टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल करना एक दीर्घकालिक लक्ष्य है। निजी बाजार में वैक्सीन की उपलब्धता शुरुआती चरण हो सकती है, लेकिन व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाव तभी संभव होगा जब जरूरत और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर इसे सरकारी टीकाकरण व्यवस्था में शामिल करने पर विचार किया जाए।

किसी वैक्सीन को सार्वजनिक कार्यक्रम का हिस्सा बनाने का निर्णय केवल उसकी उपलब्धता के आधार पर नहीं होता। इसके लिए बीमारी का बोझ, वैक्सीन की प्रभावशीलता, सुरक्षा, अलग-अलग आयु समूहों में उसका प्रदर्शन, लागत-प्रभावशीलता और स्वास्थ्य व्यवस्था पर संभावित प्रभाव जैसे अनेक पहलुओं का मूल्यांकन आवश्यक होता है। भारत जैसे विशाल और विविध आबादी वाले देश में यह प्रक्रिया और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

क्यूडेंगा की भारत में उपलब्धता का एक दूसरा महत्वपूर्ण पहलू जागरूकता से जुड़ा है। डेंगू को लेकर समाज में अभी भी कई भ्रांतियां मौजूद हैं। कई बार लोग बुखार को सामान्य वायरल संक्रमण समझकर इलाज में देरी करते हैं। वहीं कुछ लोग डेंगू की रोकथाम को केवल मच्छर भगाने तक सीमित मानते हैं। वास्तव में डेंगू नियंत्रण के लिए व्यक्तिगत सावधानी, मच्छर नियंत्रण, स्वच्छता, समय पर जांच और चिकित्सकीय सलाह–सभी की जरूरत होती है। वैक्सीन के आने के साथ यह सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि लोग इसे डेंगू से बचाव की एक अतिरिक्त रणनीति के रूप में समझें, न कि अन्य सावधानियों के विकल्प के रूप में।

डॉ. रेड्डीज और टेकेडा के बीच सहयोग का उद्देश्य केवल वैक्सीन का वितरण नहीं है। कंपनियों के अनुसार, इसके तहत डेंगू के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य पेशेवरों के साथ जुड़ाव को भी महत्व दिया जाएगा। यह पहल इसलिए उपयोगी हो सकती है क्योंकि वैक्सीन से जुड़े निर्णय में डॉक्टरों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। योग्य लोगों को वैक्सीन की जरूरत, संभावित लाभ और सीमाओं के बारे में सही जानकारी चिकित्सकीय परामर्श के माध्यम से ही मिलनी चाहिए। भारत में पहली डेंगू वैक्सीन के आने की संभावित खबर को इसलिए एक शुरुआत के रूप में देखा जाना चाहिए, अंतिम समाधान के रूप में नहीं। डेंगू की चुनौती केवल वैक्सीन से खत्म नहीं होगी। मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करना, जलभराव रोकना, साफ-सफाई बनाए रखना, समय पर बीमारी की पहचान करना और अस्पतालों में उचित उपचार की व्यवस्था करना भी उतना ही आवश्यक रहेगा।

सबसे बड़ी उम्मीद यह है कि वैक्सीन डेंगू से निपटने की मौजूदा रणनीति को मजबूत कर सकती है। लेकिन इसके साथ यह सावधानी भी जरूरी है कि वैज्ञानिक प्रमाण, नियामकीय मानक और सार्वजनिक स्वास्थ्य की जरूरतें व्यावसायिक हितों से ऊपर रहें। कीमत, उपलब्धता और लक्षित आबादी जैसे मुद्दों पर पारदर्शिता भी महत्वपूर्ण होगी।

भारत में डेंगू का बोझ देखते हुए क्यूडेंगा की संभावित लॉन्चिंग निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। 2027 की पहली छमाही में इसके संभावित लॉन्च से पहले अभी कई औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी होनी हैं। इसलिए फिलहाल इसे डेंगू के खिलाफ लड़ाई में एक संभावित नए हथियार के रूप में देखना अधिक उचित होगा।

आखिरकार, किसी वैक्सीन की सफलता केवल इस बात से तय नहीं होती कि वह बाजार में उपलब्ध हो गई है। असली कसौटी यह होगी कि वह कितने लोगों तक पहुंचती है, कितनी सुरक्षित और प्रभावी साबित होती है, उसकी कीमत कितनी वहनीय होती है और क्या वह देश की व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति का हिस्सा बन पाती है। डेंगू से जूझ रहे भारत के लिए यह उम्मीद की एक नई किरण जरूर है, लेकिन इस किरण को व्यापक स्वास्थ्य सुरक्षा में बदलने के लिए विज्ञान, नीति और जनभागीदारी–तीनों का साथ जरूरी होगा।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

लम्बे समय तक बनी रहे सूजन तो 'क्रोनिक इन्फ्लेमेशन' का रहता है खतरा

शरीर में सूजन होना हमेशा किसी बीमारी का संकेत नहीं होता। चोट, इन्फेक्शन या टिशू डैमेज के दौरान होने वाली एक्यूट इन्फ्लेमेशन शरीर की नेचुरल डिफेंस मैकेनिज्म है, जो हीलिंग में मदद करती है। लेकिन जब यह सूजन लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसे क्रोनिक इन्फ्लेमेशन कहा जाता है। लगातार बनी रहने वाली इन्फ्लेमेटरी एक्टिविटी शरीर के हेल्दी सेल्स और टिशू पर असर डाल सकती है और कुछ हालात में कैंसर रिस्क से भी जुड़ी हो सकती है।

एनसीबीआई के अनुसार एक्टयूट इंफ्लेमेशन शरीर की कम समय के लिए होने वाला प्रोटेक्टिव रिस्पॉन्स है। उदाहरण के लिए चोट लगने पर उस हिस्से में इम्यून सेल्स पहुंचते हैं, कैमिकल सिग्नल्स रिलीज होते हैं और टिशू रिपेयर की प्रक्रिया शुरू होती है। चोट या इंफेक्शन ठीक होने के बाद सामान्यतः इंफ्लेमेशन भी कम हो जाती है। हार्वर्ड हेल्थ के अनुसार इसके विपरीत, क्रोनिक इंफ्लेमेशन तब होती है जब इंफ्लामेटरी रिस्पॉन्स लंबे समय तक जारी रहता है या शरीर में बार-बार एक्टिवेट होता रहता है।

नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के अनुसार इसके पीछे एक महत्वपूर्ण मेकेनिज्म है लगातार टिशू डैमेज और रिपेयर, जब किसी टिशू को बार-बार नुकसान पहुंचता है, तो शरीर उसे ठीक करने के लिए सेल्स को विभाजित करने का सिग्नल देता है। यदि इसी स्थिति में डीएनए डैमेजिंग इंफ्लामेटरी कैमिकल्स भी मौजूद हों, तो एबनॉर्मल जेनेटिक्स चेंजस का रिस्क बढ़ सकता है। हर क्रॉनिक इंफ्लेमेटरी बीमारी कैंसर का कारण नहीं बनती। लेकिन कुछ खास कंडीशन और कैंसर के बीच मजबूत जुड़ाव देखा गया है। बाउल कैंसर के अनुसार क्रोहन डिजीज और अल्सरेटिव कोलाइटिस लंबे समय तक आंत में सूजन पैदा कर सकते हैं। इन कंडीशन वाले लोगों में, खासकर लंबे समय से बीमारी होने पर, कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। सबसे जरूरी बात यह है कि हर इंफ्लेमेशन कैंसर नहीं बनती और क्रोनिक इंफ्लेमेशन होने का मतलब कैंसर होना नहीं है। लेकिन अगर किसी व्यक्ति को लंबे समय से बिना किसी कारण के इंफ्लेमेशन, लगातार पाचन संबंधी लक्षण, लंबे समय का संक्रमण या किसी सूजन की बीमारी की समस्या है, तो उसका मेडिकल मूल्यांकन और उचित उपचार जरूरी है।

निशाना

होंगी क्यों जख्मी तितली जब गुलशन में खार नहीं

प्रदीप कश्यप

कम कर यूँ रफ्तार नहीं।
डरकर हिम्मत हार नहीं।
होंगी क्यों जख्मी तितली।
जब गुलशन में ख़ार नहीं।
झूठ से डरना बिल्कुल मता
सच की होती हार नहीं।
मज़बूरी का है मारा।
इन्साँ वो लाचार नहीं।
बातें जो हैं बड़ी बड़ी ।
उन बातों में सार नहीं।
आपस में सद्भाव बढ़ा।
नफ़रत की दरकार नहीं।
कश्यप दुर्लभ अवसर है।
आऐगा हर- बार नहीं।

टेक्नो - अपडेट

फोन अब सिर्फ कैमरा नहीं, निजी एआई असिस्टेंट भी बनते जा रहे

स्मार्टफोन की दुनिया में अब मुकाबला केवल बेहतर कैमरा, ज्यादा रैम या बड़ी बैटरी का नहीं रह गया है। नई पीढ़ी के फोन तेजी से ऐसे डिवाइस में बदल रहे हैं, जो यूजर की जरूरत समझकर कई काम खुद करने की कोशिश करते हैं। इसी बदलाव को स्मार्टफोन में आने वाला ऑन-डिवाइस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई आगे बढ़ा रहा है।

अब फोन में मौजूद एआई केवल सवालों के जवाब देने तक सीमित नहीं है। यह फोटो में मौजूद वस्तुओं को पहचान सकता है, तस्वीर से अनचाही चीजें हटाने में मदद कर सकता है, आवाज को टेक्स्ट में बदल सकता है और लंबे मैसेज या दस्तावेज का सार तैयार कर सकता है। कुछ नए फीचर्स मीटिंग, बातचीत या रिकॉर्ड किए गए ऑडियो से महत्वपूर्ण बिंदु अलग करने में भी मदद करते हैं।

इंटरनेट के बिना भी कई काम: एआई स्मार्टफोन की सबसे महत्वपूर्ण दिशा ऑन-डिवाइस प्रोसेसिंग है। इसका मतलब है कि कुछ एआई काम सीधे फोन के प्रोसेसर पर किए जा सकते हैं। हर काम के लिए डेटा को क्लाउड सर्वर पर भेजना जरूरी नहीं होता। इससे कुछ सुविधाएं तेज हो सकती हैं और संवेदनशील जानकारी के मामले में अतिरिक्त प्राइवेसी का लाभ मिल सकता है।

हालांकि हर एआई सुविधा पूरी तरह फोन पर नहीं चलती। बड़े मॉडल और जटिल कामों के लिए अब भी क्लाउड सर्वर की जरूरत पड़ सकती है। इसलिए फोन खरीदते समय केवल 'एआई फीचर' लिखा होना पर्याप्त नहीं है। यह देखना भी जरूरी है कि कौन-से फीचर वास्तव में डिवाइस पर चलते हैं और कौन-से इंटरनेट कनेक्शन मांगते हैं। स्मार्टफोन कैमरा भी एआई के कारण तेजी से बदल रहा है। तस्वीर लेने के बाद उसका एडिटिंग सिस्टम अब रोशनी, रंग और बैकग्राउंड को समझकर सुझाव दे सकता है। कई फोन में ऑब्जेक्ट रिमूवल, फोटो रीस्टाइलिंग और बेहतर पोर्ट्रेट जैसे फीचर मिल रहे हैं। इसका फायदा उन यूजर्स को भी मिलता है जिन्हें फोटो एडिटिंग का तकनीकी ज्ञान नहीं है। पहले जिस काम के लिए अलग ऐप और कई स्टेप की जरूरत पड़ती थी, वह अब फोन के डिफॉल्ट फोटो ऐप से ही संभव हो सकता है।

बैटरी और परफॉर्मेंस पर भी असर: एआई केवल कैमरा या चैट तक सीमित नहीं है। फोन का सॉफ्टवेयर यूजर के इस्तेमाल का पैटर्न समझकर बैटरी और परफॉर्मेंस को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकता है। किस ऐप को ज्यादा संसाधन चाहिए और किस ऐप को बैकग्राउंड में सीमित रखा जा सकता है, इसका फैसला सॉफ्टवेयर खुद कर सकता है।

वायरल कंटेंट

समुद्र के बीच आमने-सामने आए पिता-पुत्र, दोनों जहाज अलग दिशा में जा रहे थे

समुद्र की विशाल लहरों के बीच हजारों किलोमीटर दूर एक ऐसा संयोग हुआ, जिसकी कल्पना शायद दोनों नाविकों ने भी नहीं की होगी। एक जहाज उत्तर दिशा में आगे बढ़ रहा था और दूसरा दक्षिण की ओर। दोनों जहाज अपने-अपने रास्ते पर थे। तभी अचानक एक नाविक की नजर सामने से आ रहे बड़े जहाज पर पड़ी। उसने सामान्य प्रक्रिया के तहत जहाज की जानकारी और उसका रूट देखा तो उसके होश उड़ गए। सामने वाले जहाज पर कोई और नहीं, बल्कि उसके अपने पिता सवार थे।

यह असाधारण घटना उत्तर अटलांटिक महासागर में हुई। भारतीय नाविक रुशील सारण अपने जहाज से उत्तर की ओर जा रहे थे। तभी उन्हें विपरीत दिशा से एक बड़ा जहाज आता दिखाई दिया। जहाज की जानकारी देखने पर पता चला कि उस पर उनके पिता रविराज सारण सवार हैं। दोनों की यात्रा पहले से तय किसी मुलाकात के लिए नहीं थी। दोनों अलग-अलग जहाजों पर, अलग-अलग दिशा में सफर कर रहे थे। समुद्र में जहाजों का एक-दूसरे के पास से गुजरना अपने आप में कोई असामान्य बात नहीं है, लेकिन यहां संयोग कुछ ऐसा था कि एक जहाज पर बेटा और दूसरे पर पिता मौजूद थे। दोनों ने समुद्र के बीच एक-दूसरे को देखा और यह मुलाकात कुछ ही समय की रही। इसके बाद दोनों जहाज अपने-अपने रास्ते पर आगे बढ़ गए। रुशील ने इस अनपेक्षित मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने इसे पिता-पुत्र के जीवन का बेहद यादगार क्षण बताया। पोस्ट में उन्होंने इसे 'वन इन ए बिलियन चांस' यानी अरबों में एक मौका जैसा बताया। उनके अनुसार दोनों अलग यात्राओं पर थे, लेकिन समुद्र के एक ही हिस्से में उनकी राहें अचानक मिल गईं।

इस कहानी में सबसे दिलचस्प बात यह भी है कि पिता और पुत्र दोनों ही समुद्री क्षेत्र में काम करते हैं। समुद्री यात्राओं में लंबे समय तक परिवार से दूर रहना पड़ता है। ऐसे में घर से हजारों किलोमीटर दूर समुद्र के बीच पिता से अचानक मुलाकात होना उनके लिए किसी भावुक फिल्मी दृश्य से कम नहीं था। रुशील ने बताया कि इस घटना ने उन्हें यह सोचने पर मजबूर किया कि जीवन में आगे बढ़ते हुए हर व्यक्ति अपनी अलग दिशा चुनता है, लेकिन उसे रास्ता दिखाने वाले लोगों से उसका संबंध बना रहता है। पिता-पुत्र की यह मुलाकात कुछ मिनटों की रही होगी, लेकिन दोनों के लिए यह जिंदगी भर याद रहने वाला पल बन गई।

सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने इसे समुद्री जीवन के बेहद दुर्लभ संयोगों में से एक बताया। किसी ने इसे जिंदगी की सबसे खूबसूरत आकस्मिक मुलाकात कहा तो किसी ने लिखा कि दुनिया कितनी भी बड़ी क्यों न हो, कभी-कभी किस्मत दो लोगों को ठीक उसी जगह मिला देती है, जहां मिलने की कोई उम्मीद नहीं होती।

न्यूज विंडो

धार के देवी सागर में सुरक्षा भगवान भरोसे, हुड़दंग का वीडियो वायरल

धार। शहर के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल देवीजी स्थित देवी सागर के छोटे से गार्डन में सुरक्षा व्यवस्था ताक पर नजर आ रही है। यहां कुछ युवक-युवतियों द्वारा तालाब के पास की जा रही कथित 'मस्ती' और खतरनाक मज़ाक का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक युवक द्वारा हाथ पकड़कर तालाब की ओर ले जाने और पानी में फेंकने जैसा जोखिम भरा मज़ाक करते देखा गया है। इस लापरवाही को राहगीरों ने कैमरे में कैद कर लिया, जिसके बाद क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि इस सार्वजनिक और धार्मिक स्थल पर निगरानी तंत्र पूरी तरह सुस्त है। लोगों का कहना है कि प्रशासन और जिम्मेदार महकमा शायद किसी बड़े हादसे के इंतजार में है। धार्मिक और संवेदनशील स्थलों पर इस तरह की लापरवाही किसी बड़ी अनहोनी को न्योता दे सकती है।

जेएमके स्मार्ट सिटी कॉलोनी में 153 की जगह 173 प्लाट बेचने का आरोप

जबलपुर। हाईकोर्ट ने जेएमके स्मार्ट सिटी कॉलोनी, टीकमगढ़ के कथित अवैध निर्माण और अनियमित प्लाटिंग के मामले में राज्य सरकार, टीकमगढ़ कलेक्टर और जेएमके बिल्डर को नोटिस जारी कर तीन सप्ताह में जवाब मांगा है। चीफ जस्टिस अल्पेश यशवंत कोगजे व जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने यह निर्देश दिया। जनहित याचिकाकर्ता हरेंद्र सिंह की ओर से दलील दी गई कि टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग से 153 प्लाट स्वीकृत होने के बावजूद बिल्डर महाकाल ग्रुप डेवलपर्स द्वारा 173 प्लाट बेचे जा रहे थे। इस तरह स्वीकृत संख्या से 20 अधिक प्लाट की कथित प्लाटिंग को चुनौती दी गई है। इसके अलावा गार्डन के लिए आरक्षित भूमि पर भी प्लाटिंग किए जाने का आरोप लगाया है। याचिका में कालोनी के लेआउट और निर्माण में अनियमितताओं की जांच कर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

वेयरहाउस में गेहूं हेराफेरी के 10 हजार का इनामी आरोपी को भेजा जेल

जबलपुर। मझौली के पिपरिया स्थित मां अन्नपूर्णा वेयरहाउस में गेहूं उपार्जन के दौरान हुई करोड़ों रुपए की हेराफेरी और धोखाधड़ी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी अमन पांडे को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। मझौली थाना प्रभारी पूर्वा चौरसिया के अनुसार, मां अन्नपूर्णा वेयरहाउस में गेहूं उपार्जन के दौरान 5168.70 क्विंटल गेहूं की हेराफेरी की गई थी। गेहूं की कीमत लगभग 1.35 करोड़ रुपए बताई गई है। कनिष्ठ खाद्य आपूर्ति अधिकारी के प्रतिवेदन के आधार पर मझौली थाने में धोखाधड़ी और हेराफेरी का प्रकरण दर्ज किया गया था। आरोपी अमन पांडे (32), निवासी ग्राम बुधुआ और वर्तमान में खितौला निवासी, फरार चल रहा था। रविवार को सूचना पर पुलिस ने दबिश देकर अमन को पकड़ा और जेल भेज दिया।

18 साल के अमन जैन ने चुनी वैराग्य की राह, निकली बिनोरी यात्रा

तेंदूखेड़ा। झलौन नगर के जैन समाज के लिए आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष रहा। झलौन निवासी 18 वर्षीय अमन जैन ने मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत ग्रहण कर संयम और आत्मकल्याण की दिशा में अपना जीवन समर्पित करने का संकल्प लिया। अमन पिता मुकेश जैन कैमौरी वाले एवं माता माधुरी जैन के सुपुत्र हैं। उन्होंने सांगानेर में जैन गुरुकुल एवं छात्रावास में रहकर दो वर्षों तक अध्ययन किया। बचपन से ही धार्मिक संस्कारों से जुड़े अमन ने अब जिनधर्म, संयम, साधना एवं आत्मकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ने का संकल्प लिया है। समाजजनों ने कहा कि आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत का संकल्प त्याग, संयम और आध्यात्मिक साधना की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अमन जैन के ब्रह्मचर्य व्रत एवं वैराग्य के संकल्प के उपलक्ष्य में सोमवार शाम 7 बजे इंदौर में बिनौरी यात्रा निकाली गई। इसमें जैन समाज के धर्मानुरागी श्रद्धालु शामिल हुए।

लॉ कॉलेज के छात्रों ने किया पौधरोपण, अस्पताल में मरीजों को बांटे फल

नरसिंहपुरा। नरसिंहपुर प्रख्यात समाजसेवी वरिष्ठ अधिवक्ता, सांसद, एडवोकेट विवेक तन्खा के जन्मदिन को दिव्यांग सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान एमआईएमटी लॉ कॉलेज के छात्रों ने परिसर में पौधरोपण किया। संस्था अध्यक्ष इंजीनियर रूद्रेश तिवारी ने कहा, तन्खा महाकौशल के गौरव हैं। उनका सेवाभावी व्यक्तित्व समाज के लिए प्रेरणा है। उनके सहयोग से जिले को ब्लड बैंक, डायलिसिस यूनिट, राहत स्वास्थ्य शिविर जैसे अनेक कार्य पीड़ित मानवता को लाभ पहुंचा रहे हैं। इस दौरान प्राचार्य डॉ. अशोक गर्ग, रचित तिवारी, विजेता शर्मा, खुशबू कटारिया, उमाकांत द्विवेदी मौजूद रहीं। सामाजिक संस्था आशादीप की ओर से जिला अस्पताल के मरीजों को फल भी बांटे गए।

ग्वालियर में एजी ऑफिस-विक्की फैक्ट्री रोड के सैंपल भी फेल, कोर्ट ने मांगा जवाब

NHAI की मेहरा टोल-सिकरौदा रोड भी तय मानक के अनुसार नहीं

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

सड़कों की गुणवत्ता को लेकर हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई में पेश जांच रिपोर्ट में मेहरा टोल से सिकरौदा चौराहा और एजी ऑफिस से विक्की फैक्ट्री रोड के निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए। मेहरा टोल-सिकरौदा रोड से लिए गए अधिकांश सैंपल जांच में फेल हो गए। एनएसवी (नेशनल सर्वे ऑफ विजुअल कंडीशन/सड़क सर्वे) की रिपोर्ट में भी सड़क तय स्पेसिफिकेशन के अनुरूप नहीं मिली। यह सड़क एनएचएआइ के अधीन है।

कोर्ट को बताया गया कि एनएचएआइ को हर छह माह में सड़क का रैंडम सर्वे कराना होता है, लेकिन रिकॉर्ड में ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिला। रिपोर्ट में एनएचएआइ की ओर से ठेकेदार को किए जाने वाले एन्युटी भुगतान से संबंधित बिंदुओं पर आपत्तियां दर्ज की गई हैं।

एजी ऑफिस से विक्की फैक्ट्री तक पीडब्ल्यूडी की सड़क की भी जांच रिपोर्ट कोर्ट में पेश की गई। इस सड़क के विभिन्न स्थानों से लिए अधिकांश सैंपल फेल हो गए। कोर्ट ने रिपोर्ट की प्रति पीडब्ल्यूडी के अधिवक्ता को उपलब्ध कराने और रिपोर्ट पर जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया। 2024 की बिटुमिन और डिजाइन मिक्स रिपोर्ट भी आयोग को दी।

स्मार्ट सिटी की सड़कों पर भी दिए आवेदन, अभी सैंपल लेना बाकी

18 सितंबर 2026 के पूर्व आदेश के पालन में सुनवाई के दौरान बिटुमिन टेस्ट रिपोर्ट और डिजाइन मिक्स (डीबीएम) टेस्ट रिपोर्ट की मूल प्रतियां भी पेश की गईं। ये रिपोर्ट राजनंदनी एंटरप्राइज एंड कंसल्टेंसी की हैं। आदेश के अनुसार, 11 जुलाई 2024 की बिटुमिन टेस्ट रिपोर्ट और 16 सितंबर 2024 की डिजाइन मिक्स टेस्ट रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में पेश की गईं। स्मार्ट सिटी की सड़कों को लेकर अलग आवेदन, अभी सैंपल नहीं लिए सुनवाई में स्मार्ट सिटी की सड़कों को लेकर भी आवेदन पेश किया गया। इसमें सीईओ को पक्षकार बनाने की मांग की गई थी। आवेदक में कहा है, स्मार्ट सिटी की सड़कों की स्थिति भी खराब है। यह भी माना कि सड़कों से अभी सैंपल नहीं लिए गए हैं।

शराब दुकान हाईवे से 500 मीटर दूर है या नहीं, मांगा जवाब

सुनवाई में सिकरौदा चौराहे पर हाईवे के बिल्कुल पास संचालित शराब दुकान का मामला भी उठा। कोर्ट को बताया गया, नियमों के अनुसार हाईवे से कम से कम 500 मीटर दूरी का प्रावधान है, जबकि सिकरौदा में शराब दुकान हाईवे के नजदीक है। कोर्ट ने संबंधित पक्ष से पूछा कि इतनी कम दूरी पर लाइसेंस कैसे जारी किया। यदि यह नियमों के विपरीत है तो दुकान 500 मीटर दूर स्थानांतरित करने में कितना समय लगेगा, इसकी जानकारी एक सप्ताह में दें। सचिन तेंदुलकर मार्ग से भगवान सिंह माथुर सिटी एन्क्लेव को जोड़ने वाली सड़क की खराब स्थिति को लेकर भी हस्तक्षेप आवेदन आया था। कोर्ट ने कहा-कोर्ट हर एक सड़क को अलग-अलग अपने सामने लेकर निर्माण कराने की प्रक्रिया नहीं चला सकता।

बाबू बोला-मुझे फंसाया जा रहा

नामांतरण के लिए तहसीलदार के बाबू ने मांगे 30 हजार रुपए

टीकमगढ़। दोपहर मेट्रो

एक ओर शासन प्रशासन लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए जन विश्वास शिविर जैसे आयोजन कर रहा है तो कलेक्टर खुद यहां पर राजस्व से जुड़े मामलों का मौके पर ही निराकरण कर रहे है। इसके बाद भी मातहत कर्मचारियों को न तो प्रशासन का डर दिख रहा है और न ही चलाए जा रहे अभियानों से सरोकार है। वह खुद कर काम के लिए हितग्राहियों से रुपए मांग रहे हैं। ऐसा ही मामला बल्देवगढ़ तहसील का सामने आया है। बल्देवगढ़ तहसील में पदस्थ लिपिक अनिल सेन और एरोरा निवासी किसान काशीराम लोधी के बीच का एक ऑडिया सोशल मीडिया पर सामने आया है। इसमें किसान जमीन परिवर्तन के केस को लेकर लिपिक सेन से बात कर रहा है। इसमें वह कहता है कि वह रिश्तेदार के बीमार होने पर उसे लेकर बाहर जा रहा है। ऐसे में वह उसकी तारीख को देख ले। आकर वह गवाहों के बयान दर्ज करा देगा।

इस पर अनिल सेन कहते हैं कि गवाह तो ठीक है, मेन काम (रुपए देना) तो वही है। जब तक वह कुछ करेगा नहीं काम कैसे होगा। इसके बाद किसान का दूसरा ऑडियो शुरू होता है, इसमें वह लिपिक से पूछता है कि क्या वह आज बल्देवगढ़ आए हैं तो लिपिक सेन कहते हैं कि आज तो छुट्टी है। किसान काशीराम कहता है कि मुझे बताया था कि साहब 30 हजार रुपए मांग रहे हैं। यह देने के लिए वह टीकमगढ़ आ रहा है। तो लिपिक सेन उसे अपना पूरा पता बताते हैं कि वह बड़े अस्पताल के पास जौहरी नर्सिंग होम के पास रहते हैं। किसान इसमें कुछ कम करने की बात कहता तो लिपिक कहते हैं कि यहीं आ जाएं, देख लेते हैं। मामले में लिपिक का कहना है कि मुझे फंसाया जा रहा है।

अशोकनगर में भैंस चोरी के शक में दो लोगों को खंभे-ट्रॉली से बांधा

अशोकनगर। दोपहर मेट्रो

चंदेरी थाना क्षेत्र के नयाखेड़ा गांव में भैंस चोरी के शक में सोमवार को हंगामा हो गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने दो संदिग्धों को पकडक़र पहले खंभे से बांधा, फिर उन्हें ट्रैक्टर-ट्रॉली से बांधकर मुख्य सड़क पर ले गए। लाठियों से ग्रामीणों ने चंदेरी-ईसागढ़ मार्ग पर ट्रैक्टर-ट्रॉली अड़ाकर चक्काजाम कर दिया। करीब एक घंटे तक चले हंगामे से वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। ग्रामीणों का आरोप था कि तीन लोग भैंस चोरी के इरादे से गांव में घुसे थे। भनक लगने पर पीछा किया, जिसमें एक भाग निकला, दो हत्थे चढ़ गए। क्षेत्र में लगातार हो रही चोरियों से नाराज ग्रामीण मौके पर ही एफआइआर दर्ज करने की मांग पर अड़ गए। सूचना पर तहसीलदार दिलीप दारोगा और टीआइ प्रशांत यादव बल के साथ पहुंचे। समझाइश के बाद पुलिस दोनों संदिग्धों को भीड़ से निकालकर थाने ले गई। नयाखेड़ा के मनीराम लोधी और चंदेरी के मातामढ़ मोहल्ला निवासी बलवान अहिरवार पर केस दर्ज किया।

25 ग्रामीणों पर भी एफआइआर दर्ज

मुख्य मार्ग जाम कर आम जनता को परेशान करने के मामले में पुलिस ने प्रदर्शनकारी 25 ग्रामीणों पर भी एफआइआर दर्ज की है।

छात्र और शिक्षक देश सेवा की भावना के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाएं: लोधी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

शासकीय महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि संस्कृति, पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी थे। अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्य शंकर सिंह ठाकुर ने की। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष सुरेशचंद जैन, उपाध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद नामदेव, सांसद प्रतिनिधि ठाकुर मूरत सिंह लोधी पूर्व मंडल अध्यक्ष गोविंद यादव भी मौजूद थे। मंत्री लोधी ने विजन 2047 के तहत विकसित भारत का लक्ष्य कैसा हो, इस विषय के विभिन्न बिंदुओं पर बात की। कहा, छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों से देश सेवा

की भावना के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाएं और विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करें। प्राचार्य शंकर सिंह ठाकुर ने विद्यार्थियों को समाज एवं राष्ट्रहित में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. एन.के. निकोसे रहे। मंच संचालन यशवंत अहिरवार व डॉ. सुनील गिरि ने किया। आयोजन में डॉ. अरूणेन्द्र कुमार पटेल, मेघसिंह वर्मा, सुश्री गजेन्द्री मार्को, डॉ. संध्या स्थापक, डॉ. मनीषा कुमारिया भी मौजूद थे।

बच्चों ने चित्रकला और भाषण में दिखाई प्रतिभा

शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला खकरिया खुर्द में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता हुई। चित्रकला में विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर आकर्षक चित्र बनाकर रचनात्मक सोच दिखाई। भाषण में देश सेवा, सामाजिक जिम्मेदारी एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर विचार रखे। प्राचार्य शबाना खान ने छात्रों को सेवा, अनुशासन-सकारात्मक सोच का महत्व बताया।

रीवा में बिना लाइसेंस चल रहे अथर्वन ब्लड बैंक के संचालक पर केस दर्ज

इसी ब्लड बैंक से लिए खून से कल्पना मिश्रा की हुई थी मौत

रीवा। दोपहर मेट्रो

गांधी मेमोरियल अस्पताल में गत 26 अगस्त को प्रसूता कल्पना मिश्रा की मौत के मामले में एक और कार्रवाई हुई है। जिस अथर्वन ब्लड बैंक से लाया गया खून कल्पना मिश्रा को चढ़ाया गया था, उसके संचालक पर समान थाना में एफआइआर दर्ज कराई गई है। ब्लड बैंक का लाइसेंस पहले ही निरस्त था। बिना लाइसेंस के ब्लड बैंक चल रहा था। इसकी भनक स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों को भी नहीं लगी, जिस पर ड्रग इंस्पेक्टर राधेश्याम बट्टी को भी विगत सप्ताह ही निलंबित कर दिया गया था।

अर्थवन ब्लड बैंक के खिलाफ एफआइआर के निर्देश खाद्य एवं औषधि नियंत्रक ने दिए थे। लिहाजा सीएमएचओ के आवेदन ब्लड बैंक के संचालन अभिनव सिंह के विरुद्ध एफआइआर दर्ज की गई है। गौरतलब है कि विगत सप्ताह हुई जांच में सामने आया था कि बिना लाइसेंस तीन महीने पहले से उक्त ब्लड बैंक का संचालन हो रहा था और लगातार संजय गांधी अस्पताल सहित अन्य सरकारी अस्पतालों में भी ब्लड भेजा जाता रहा है।

प्रसूता कल्पना मिश्रा के परिजनों को भी उसी ब्लड बैंक में भेजा गया था, जहां से लाया गया खून चढ़ाते ही तबीयत बिगड़ी और चिल्लाने लगीं। इसका वीडियो भी वायरल हुआ था। अब सरकार के आदेश के बाद ब्लड बैंक संचालक के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई गई है।

नागदा: आंखों में जलन से परेशान होते रहे लोग, आधे घंटे तक बिरलाग्राम मार्ग पर ट्रैफिक रोका

ग्रेसिम पावर हाउस गेट पर एसिटिक एसिड से भरे टैंकर में रिसाव, 200 मीटर तक फैली तीखी गंध

नागदा। दोपहर मेट्रो

ग्रेसिम उद्योग के स्टेपल फाइबर डिवीजन स्थित पावर हाउस गेट के बाहर एसिटिक एसिड से भरे टैंकर में रिसाव होने से ऊहापोह की स्थिति बन गई। केमिकल रिसाव के कारण धुआं और तीखी गंध करीब 200 मीटर क्षेत्र में फैल गई। मार्ग से गुजर रहे लोगों की आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी होने लगी। सूचना मिलते ही ग्रेसिम उद्योग का सुरक्षा विभाग और बिरलाग्राम पुलिस मौके पर पहुंची। एहतियातन मुख्य मार्ग का यातायात रोक दिया गया।

सुरक्षा विभाग ने टैंकर को तत्काल मुख्य मार्ग से हटाकर उद्योग परिसर में पहुंचाया और रिसाव नियंत्रित किया। सड़क पर फैले एसिड पर चूना और पानी डालने के बाद फायर ब्रिगेड की मदद से प्रभावित हिस्से को धोया गया।

एसिड के संपर्क में आए डामर को हटाकर नया डामरीकरण किया गया। आधे घंटे बाद, 1 बजे स्थिति सामान्य होने पर ट्रैफिक बहाल किया गया। मौके पर नायब तहसीलदार देवेश गोखले सहित स्वास्थ्य अमला भी मौजूद रहा।

टैंकर गुजरात से एसिटिक एसिड लेकर ग्रेसिम उद्योग पहुंचा था। उद्योग में प्रवेश से पहले उसे पावर हाउस गेट के बाहर खड़ा किया और रिसाव शुरू हो गया।

उठा धुएं का गुबार

देखते ही देखते धुआं उठने लगा और आसपास तेज गंध फैल गई। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने मार्ग पर आवागमन रोक दिया। प्रत्यक्षदर्शी सुनीता ने बताया कि वह बच्चे को स्कूल लेकर जा रही थी। बिरलाग्राम थाने के पास पहुंचते ही एसिड की तेज गंध महसूस हुई। कुछ आगे बढ़ने पर आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी होने लगी। आगे पुलिस ने रास्ता रोक रखा था। स्थिति सामान्य नहीं होने पर वह मेहतवास मार्ग से होकर स्कूल पहुंची। करीब 200 मीटर तक गंध महसूस हो रहा था।

मेट्रो एंकर | एक हाथी की करंट से हुई मौत के बाद विशेषज्ञों की आशंका है, बाकी हाथी हो सकते हैं आक्रामक

मऊगंज और सीधी जिले की सीमा पर चार हाथियों की घेराबंदी, छकाता रहा भरत...नहीं हो सका रेस्क्यू, अब 4 एक्सपर्ट बुलाए

रीवा। दोपहर मेट्रो

मऊगंज और सीधी जिले के बार्डर क्षेत्र के मलकपुर गांव में हाथी भरत के रेस्क्यू का प्रयास किया गया लेकिन देर शाम तक सफलता नहीं मिली। इसके लिए चार ऐसे एक्सपर्ट हाथियों को लाया गया है जो रेस्क्यू के कार्य में उपयोग किए जाते रहे हैं। दो बांधवगढ़ नेशनल पार्क और दो संजय टाइगर रिजर्व से लाए गए हैं। इन हाथियों को देखकर पहले तो हाथी भरत नजदीक आया लेकिन वनकर्मियों को देखकर दूर चला गया। करीब चार किमी के दायरे में वह लगातार छकाता रहा और चकमा देकर जंगल में भाग गया। इस रेस्क्यू में बांधवगढ़ नेशनल पार्क, संजय टाइगर रिजर्व के साथ ही वनमंडल रीवा, वन विकास निगम सीधी, मुकुंदपुर चिड़ियाघर सहित मऊगंज का स्थानीय वन अमला शामिल रहा। रेस्क्यू दल के विशेषज्ञों का कहना है कि दो हाथी लंबे समय से जंगल में साथ रहे हैं, एक की करंट से मौत हो गई है तो दूसरे के आक्रामक होने की आशंका है। इसी वजह से उसे रेस्क्यू कर बांधवगढ़ में छोड़ा जाएगा।

हाथी भरत कई ग्रामीणों के घर पर पहले हमला कर चुका है, इसलिए रेस्क्यू करना है जरूरी

रेस्क्यू कर भेजा जाएगा बांधवगढ़

वन विभाग का कहना है कि बांधवगढ़ में हाथियों के साथ दूसरे जानवरों का भी माहौल मिलेगा। रेस्क्यू के दौरान कोई ऐसा कदम नहीं उठाया जा रहा है, जिससे हाथी आक्रामक होकर रेस्क्यू दल या स्थानीय लोगों को नुकसान पहुंचान पहुंचाए। इस रेस्क्यू में रीवा डीएफओ लोकेश निरापुरे के साथ कई आईएफएस अधिकारी शामिल हैं। यह पहला अवसर है जब रीवा-मऊगंज में किसी जंगली हाथी को इतने बड़े स्तर पर रेस्क्यू किया जा रहा है। हाथी को पकडऩे के लिए ट्रक में पिंजड़ा भी लाया गया है। मंगलवार को भी रेस्क्यू अभियान जारी रहेगा।

आक्रामक स्वभाव का भरत

भरत हाथी का रेस्क्यू किया जा रहा है, वह पहले बांधवगढ़ नेशनल पार्क में रहा है। वहां से निकलकर आसपास के जिलों में भ्रमण करता रहा है। कई ऐसी घटनाएं सामने आईं जब उसने लोगों पर हमले का प्रयास किया। वह आक्रामक स्वभाव का है।

शहडोल में जिम्मेदारों की बड़ी लापरवाही से किसानों की मेहनत पर फिरा पानी

9.44 लाख क्विंटल धान मिलों तक नहीं पहुंचा, बारिश में हो रहा अंकुरित

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिन किसानों कड़ी धूप और हाड़ कंपाने वाली ठंड में खून-पसीना बहाकर फसल सींचा, उनकी मेहनत को प्रशासनिक अफसर पानी में बहा रहे हैं। वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर किसानों से खरीदा गया धान आज नागरिक आपूर्ति निगम की लापरवाही और सुस्त रवैये के कारण खुले आसमान के नीचे सड़ रहा है। खरीदी के 10 माह बाद भी बुढ़ार, ब्यौहारी, जयसिंहनगर और शहडोल स्थित 12 ओपन कैपों में पड़ा 9.40 लाख क्विंटल धान बारिश में भीग रहा है। आलम यह है कि अब यह अंकुरित भी होने लगा है।

सरकार ने 2025-26 में किसानों से 2369 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से कुल 2 लाख 77 हजार क्विंटल धान की खरीदी की थी, जिसमें से गोदामों और कैप में कुल भंडारित धान का एक बड़ा हिस्सा मीलिंग का इंतजार कर रहा है। ओपन कैप में रखे 9.44 लाख क्विंटल धान का मूल्य 222 करोड़ 68 लाख 60 हजार रुपए है। नियमानुसार खरीदी के बाद ओपन कैप में रखे धान का 3 महीने के भीतर उठाव व मीलिंग हो जानी चाहिए थी, लेकिन 10 महीने बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।

एक माह में 100 मीट्रिक टन ही हो रहा उठाव

मीलिंग की बेहद धीमी रफ्तार का मुख्य कारण मीलरों का समय पर भुगतान न होना बताया जा रहा है। स्थिति यह है कि महीने भर में महज 100 मीट्रिक टन धान का ही उठाव हो पा रहा है। विभागीय लापरवाही से रुष्ट होकर राइस मिलर अपनी मनमर्जी से उठाव कर रहे हैं, जिससे उठाव की रफ्तार नाममात्र की है।

महज दो महीने बाद समर्थन मूल्य पर धान की नई खरीदी फिर शुरू होने वाली है। जिले में पहले से गोदाम फुल हैं और ओपन कैप भी भरे पड़े हैं। यदि वर्तमान में रखे अनाज को जल्द व्यवस्थित कर मीलिंग के लिए नहीं भेजा गया, तो नई फसल आने पर अनाज भंडारण का बड़ा संकट पैदा हो जाएगा।

नान के प्रभारी अधिकारी नत्थूलाल का कहना है कि धान मीलिंग में समस्या हो रही है, एफसीआई में देरी से लॉट जमा हो रहे हैं, क्वालिटी का ईशु भी आता है। हर महीने 100 एमटी ही धान का उठाव हो पा रहा है। 2024-25 में हुई खरीदी में मीलरों का भुगतान भी एनसीसीएफ के माध्यम नहीं करना बड़ा कारण है।

जब यही धान मिलों तक नहीं पहुंचा तो नई खरीदी में क्या होगा

जानकारों का कहना है कि जिम्मेदारों की लापरवाही से नई खरीदी भी संकट में आ गई है। जब पहले की गई 222 करोड़ के धान की खरीदी के बाद भी इसे मिलों तक नहीं पहुंचाया गया तो नई खरीदी भी असमंजस में है। बता दें कि दो माह ही फिर से धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी होनी है।

दो माह बाद नई खरीदी होगी शुरू

वेयर हाउस के प्रभारी धीरज गुप्ता की मानें कैंप व गोदामों में रखी धान की मीलिंग में लेट लतीफी हो रही है। दो महीने बाद नई खरीदी शुरू हो जाएगी, ऐसे में धान के भंडारण करने में बड़ी समस्या होगी।

निगम ने किया सिंहस्थ क्षेत्र में 10 हजार वर्गफीट पर अवैध निर्माण जमींदोज

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

सिंहस्थ की तैयारियों के बीच नगर निगम ने सिंहस्थ मेला क्षेत्र से अवैध निर्माण हटाने की कवायद शुरू कर दी है। लाल पुल क्षेत्र में सिंहस्थ की भूमि पर बिना अनुमति माधवानंद आश्रम में 10 हजार वर्गफीट में बन रही दो मंजिला बिल्डिंग को दो पोकलेन और चार जेसीबी की मदद से ढहा दिया। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा। सिंहस्थ क्षेत्र की आरक्षित भूमि पर माधवानंद आश्रम की ओर से बिना अनुमति दो मंजिला भवन का निर्माण किया जा रहा था। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि सिंहस्थ क्षेत्र में अवैध निर्माण हटाने को लेकर न्यायालय के आदेश भी हैं। इसी के तहत निगम ने यह कार्रवाई की। निगम के भवन अधिकारी राजकुमार राठौर ने बताया कि सिंहस्थ क्षेत्र की भूमि महापर्व की व्यवस्थाओं और बुनियादी ढांचे के लिए आरक्षित है। यहां बिना अनुमति स्थायी या अस्थायी निर्माण और भूमि का अनधिकृत उपयोग स्वीकार नहीं किया जाएगा।

खजूर वाली मस्जिद से गणेश चौक तक रोड 15 मीटर होगी चौड़ी

नगर निगम अब खजूर वाली मस्जिद से अब्दालपुरा, जीवाजीगंज थाना होते हुए गणेश चौक तक करीब 730 मीटर लंबी सड़क को 15 मीटर चौड़ा करेगा। इस काम पर 9.80 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इस रास्ते में 272 भवन प्रभावित होंगे। नगर निगम ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं।

न्यूज विंडो

विकसित भारत की परिकल्पना को बच्चों ने अपने भाषण में पिरोया तो बजीं तालियां

गंजबासौदा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत '25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत' थीम पर उत्कृष्ट विद्यालय में संकुल स्तरीय राष्ट्रव्यापी चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें संकुल केंद्र से जुड़ी विभिन्न शालाओं के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा दिखाई। मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष नीतू रघुवंशी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र प्रजापति थे। स्पर्धा के जज वरिष्ठ चित्रकार सुधीर श्रीवास्तव एवं चंद्रम जायसवाल थे। प्राचार्य प्रदीप चौरसिया ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।विद्यार्थियों द्वारा विकसित भारत की परिकल्पना को भाषण और अपनी चित्रकला में दिखाई तो सभी ने तालियों से उनका मनोबल बढ़ाया। स्पर्धा की दोनों विधाओं में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी ब्लॉक लेवल स्पर्धा में संकुल का प्रतिनिधित्व करेंगे।

कोतमा रेलवे स्टेशन पर मालगाड़ी से गिरा कोयला, यात्रियों में अफरा-तफरी

कोतमा(अनूपपुर)। कोतमा रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी की स्थिति बन गई, जब स्टेशन से गुजर रही एक मालगाड़ी से कोयले के टुकड़े प्लेटफॉर्म की ओर गिरने लगे। प्लेटफॉर्म पर बड़ी संख्या में यात्री मौजूद थे। तस्वीर में प्लेटफॉर्म के काफी हिस्से में कोयले के टुकड़े बिखरे हुए दिखाई दे रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मालगाड़ी के गुजरने के दौरान कोयला गिरने से यात्रियों में दहशत फैल गई। यात्रियों के घायल होने की सूचना भी सामने आई है, हालांकि घायलों की संख्या और उनकी स्थिति की आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है।

घटना के बाद रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था और मालगाड़ियों में कोयले के सुरक्षित परिवहन को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। यात्रियों का कहना है कि यदि प्लेटफॉर्म पर गिर रहे कोयले के बड़े टुकड़े यात्रियों को लगे हैं। उन्हें चोट लगी है।

200 रुपए के लालच में गंवाए 20 हजार, दुकानदार से ठगी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के सुपर मार्केट स्थित रोहित कंप्यूटर एंड ऑनलाइन सर्विस की दुकान पर सोमवार शाम दो अज्ञात व्यक्तियों ने 20 हजार रुपए की ऑनलाइन ठगी कर ली। दोनों बिना नंबर की बाइक से दुकान पर पहुंचे और खुद को बम्हौरी स्थित सांदीपनि विद्यालय में काम करने वाले कर्मचारी बताया। शाम 6:10 बजे दोनों युवकों ने दुकान संचालक रोहित साहू से कहा कि उन्हें तत्काल 20 हजार रुपए नकद चाहिए। इसके बदले 200 रुपए अतिरिक्त दूंगा। रोहित तैयार हो गया और उसने 20 हजार रुपए नकद दे दिए। इसके बाद आरोपियों ने अपने मोबाइल से रोहित के फोन-पे पर 20 हजार रुपए के भुगतान का स्क्रीनशॉट दिखाया और चले गए। तब रोहित कम्प्यूटर पर

काम कर रहा था, इसलिए स्क्रीनशॉट देखकर मान लिया कि राशि उसके खाते में आ गई है। कुछ देर बाद जब उसने अपने मोबाइल में किया तो खाते में कोई राशि प्राप्त नहीं हुई।

इसके बाद रोहित को ठगी का अहसास हुआ। उसने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से आरोपियों की जानकारी जुटाने का प्रयास किया, लेकिन सुराग नहीं मिला। उसने पुलिस में शिकायत की है।

ओबैदुल्लागंज में बदहाल सड़कों को लेकर लोगों ने खोला मोर्चा

सड़क के लिए अनूठा प्रदर्शन.. कीचड़ लेकर पहुंचे ग्रामीणों ने घेरा जनपद

ओबैदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत ओबेदुल्लागंज अन्तर्गत ग्राम पंचायत दीबटिया एवं ग्राम पंचायत हर्रई के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण और खराब सड़क की मरम्मत की मांग को लेकर जनपद पंचायत कार्यालय का घेराव कर दिया। बड़ी संख्या में ग्रामीण बाल्टी में कीचड़ और हाथों में दीपक लेकर जनपद पंचायत कार्यालय पहुंचे और सड़क की बदहाली पर जिम्मेदारों का ध्यान आकर्षित किया।

ग्रामीण दो घंटे तक जनपद पंचायत कार्यालय के मुख्य गेट पर प्रदर्शन करते रहे। ग्रामीणों का कहना है कि गांवों को जोड़ने वाली सड़क लंबे समय से खराब है। जगह-जगह

गड्ढे और बारिश के दौरान कीचड़ के कारण आवागमन मुश्किल हो जाता है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों और दोपहिया वाहन चालकों को हो रही है। ग्रामीणों ने सड़क की शीघ्र मरम्मत एवं आवश्यक स्थानों पर सड़क निर्माण की मांग की।

जपं सीईओ ने दिया भरोसा

प्रदर्शन की सूचना मिलने पर जनपद पंचायत के सीईओ निखिलेश कटारे ने ग्रामीणों से चर्चा की। उन्होंने सड़क की स्थिति का समाधान कराने और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने प्रदर्शन समाप्त किया।

ऑडिट में आपत्ति न लगाने के नाम पर मांगी 20 हजार घूस, अधिकारी धराया

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

जिले के सहकारिता विभाग में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब जबलपुर लोकायुक्त की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक ऑडिट अधिकारी को कथित रूप से 8 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया। आरोप है कि सेवा सहकारी समिति बरहटा के वर्ष 2025-26 के ऑडिट में आपत्ति नहीं लगाने और ऑडिट प्रक्रिया पूरी करने के एवज में अधिकारी द्वारा समिति प्रबंधक से 20 हजार रुपए की रिश्वत मांगी जा रही थी।

लोकायुक्त के अनुसार, शिकायतकर्ता प्रभारी समिति प्रबंधक बरहटा अशोक पिता तेजबल सिंह पटेल निवासी ग्राम मेघ, तहसील गोटेगांव, ने शिकायत दर्ज कराई थी कि सेवा सहकारी समिति बरहटा का ऑडिट कार्यालय उपआयुक्त सहकारिता, जिला नरसिंहपुर के अधीन कार्यरत ऑडिट अधिकारी राजेंद्र सिंह द्वारा किया जा रहा है। शिकायत में आरोप लगाया गया कि ऑडिट में आपत्ति नहीं लगाने के बदले 20 हजार रुपए की मांग की गई थी।

...और रंगे हाथ पकड़ा गया ऑडिट अधिकारी

शिकायत के बाद लोकायुक्त टीम ने सत्यापन किया। इसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। आरोपी अधिकारी 8 हजार रुपए लेने के लिए तैयार था। शिकायतकर्ता घूस की रकम लेकर कार्यालय पहुंचा तो ऑडिट अधिकारी राजेंद्र सिंह ने घूस ले ली। लोकायुक्त ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया। कार्रवाई के दौरान कंप्यूटर ऑपरेटर अमित श्रीवास्तव को भी लोकायुक्त टीम द्वारा पकड़े जाने की जानकारी सामने आई है। कार्रवाई के बाद लोकायुक्त टीम आरोपियों एवं आवश्यक दस्तावेजों को सर्किट हाउस ले गई। दोनों से पूछताछ की जा रही है।

जिला अस्पताल स्वच्छता अभियान

डैमेज पुलिया सुधारी दमकल से की सफाई

नर्मदापुरम। जिला अस्पताल में क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। मेन गेट पर नाली पर बनी पुलिया डेमेज हो जाने के कारण रास्ता बंद हो गया था। मरीजों और एम्बुलेंस के साथ ही स्टाफ को आने जाने में दिक्कत हो रही थी। दो घंटे की मेहनत के बाद स्वच्छता टीम ने इसे दुरुस्त कर दिया।

कलेक्टर ने चेताया-सरकारी काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

नर्मदापुरम। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दो टूक कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और शासकीय कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सीएम हेल्पलाइन में खराब प्रदर्शन करने वाले और ए कैटेगरी से नीचे रहने वाले विभागों के अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई के प्रस्ताव बनाने का निर्देश दिया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से जुड़ी अधिक शिकायतें मिलने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए समय-सीमा में निराकरण और रैंकिंग सुधारने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने फसल बीमा योजना की समीक्षा कर किसानों को योजना की जानकारी देने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के निर्देश दिए। इसमें संबंधित एसडीएम और बीमा कंपनी के प्रतिनिधि भी रहेंगे। उन्होंने कहा कि पात्र किसानों को बीमा राशि दिलाने में लापरवाही नहीं होनी चाहिए। ऐसे में बीमा कंपनी पर कार्रवाई होगी।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. (चि/सां.) संभाग क्र. 1,

शेड नं. 11-ए बाहर दमदार जबाहर चौक भोपाल पिन कोड 462003

web site: www.mppwd.gov.in email:- cepwdelecbpl@mp.nic.in

–: निविदा आमंत्रण सूचना :–

निविदा क्रमांक 87 से 91/2026-27 भोपाल, दिनांक 18/09/2026

निम्नलिखित कार्य के लिए ई-टेंडरिंग द्वारा ऑन-लाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण http://www.mptenders.gov.in पर भी देखी जा सकती है।

क्र.	पीर्टर टेण्डर नं.	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनुमनित राशि (रू. लाख में)
1	2026 PWDRB 537035_1	भोपाल	वार्षिक मदमतत निविदा कार्य	For Providing Electrification / Renovation work in Residential Non Residential Building Deposit/SR/ AR/ MOW/ MISC Work Under Quarter of Maha Laxmi Pareshar Section PWD E/M Division No. 1 Bhopal.	प्रथम	32.542
2	2026 PWDRB 537037_1	भोपाल	वार्षिक मदमतत निविदा कार्य	For Providing Electrification / Renovation work in Residential Non Residential Building Deposit/SR/ AR/ MOW/ MISC Work Under Quarter of Tulsi Nagar Section PWD E/M Division No. 1 Bhopal.	प्रथम	33.588
3	2026 PWDRB 537038_1	भोपाल	वार्षिक मदमतत निविदा कार्य	For Providing Electrification / Renovation work in Residential Non Residential Building Deposit/SR/ AR/ MOW/ MISC Work Under Quarter of 45 Bunglow Section PWD E/M Division No. 1 Bhopal. (E-1 to E-22)	प्रथम	33.248
4	2026 PWDRB 537039_1	भोपाल	वार्षिक मदमतत निविदा कार्य	For Providing Electrification / Renovation work in Residential Non Residential Building Deposit/SR/ AR/ MOW/ MISC Work Under Quarter of (Ekta Pareekar) Shivaji Nagar Section PWD E/M Division No. 1 Bhopal.	प्रथम	32.28
5	2026 PWDRB 537040_1	भोपाल	वार्षिक मदमतत निविदा कार्य	For Providing Electrification / Renovation work in Residential Non Residential Building Deposit/SR/ AR/ MOW/ MISC Work Under Quarter of (G Type and H Type) Shivaji Nagar Section PWD E/M Division No. 1 Bhopal.	प्रथम	31.053

उपरोक्त भैल साइट से ऑन लाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेंण्डर डॉक्युमेंट) भेल साइट के माध्यम से दिनांक 09/10/2026 सांयं 5.30 बजे तक प्राप्त हो सकेगा। विस्तृत एन. आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त बेल साइट में देखी जा सकती है। निविदा में भैल साइट में किये जाने वाले समस्त संशोधनों को समाचार पत्रों में प्रकाशित नही किया जायेगा। यह संशोधन केवल विभागीय वेबसाइट http://www.mptenders.gov.in पर ही प्रकाशित किये जायेंगे।

कार्याललन यंत्री

G– 18871/26 लो.नि.वि. (चि/सां) संभाग क्र.1, भोपाल

मेट्रो एंकर

पर्युषण: खुद को बदलने और भीतर की शांति खोजने का पर्व

मन और इच्छाओं पर नियंत्रण का प्रयास ही पर्यूषण

कोतमा(अनूपपुर)। दोपहर मेट्रो

भागदौड़ भरी जिंदगी में हम दुनिया को बदलने की कोशिश तो करते हैं, अपने भीतर झांकना भूल जाते हैं। जैन धर्म का पर्युषण पर्व हमें कुछ समय रुककर अपनी गलतियों, व्यवहार और विचारों को देखने का अवसर देता है। यह केवल उपवास और पूजा का पर्व नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, संयम, क्षमा और आत्मशुद्धि की यात्रा है। कोतमा के सुदीप कुमार जैन ने पर्यूषण का महत्व बताते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने कहा, आज मनुष्य के पास सुविधाएं पहले से कहीं अधिक हैं। जीवन आसान बनाने के लिए साधन बढ़े हैं, लेकिन भागदौड़, तनाव, प्रतिस्पर्धा और आपसी दूरी भी बढ़ती जा रही है। हम दूसरों के जीवन को देखने में समय लगा देते हैं, लेकिन अपने भीतर झांकने के लिए समय नहीं निकाल पाते। यहीं से पर्युषण पर्व का महत्व सामने आता है।

तेंदूखेड़ा में बड़े बाबा के दरबार में महोत्सव पुण्य का मस्तकाभिषेक

तेंदूखेड़ा। श्री शांतिनाथ भगवान के दरबार में चल रहे धार्मिक महोत्सव के अंतर्गत उत्तम संयम दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़े बाबा का मस्तकाभिषेक, शांतिधारा एवं शांतिविधान संपन्न हुआ। शांतिधारा के महापात्र बनने का सौभाग्य पुष्पेंद्र जैन छोटू परिवार, पुष्पेंद्र सिंघई, आनंद-आजाद सिंघई परिवार आदि को मिला।

उपवास से आगे है तप

पर्युषण में जैन समाज में उपवास, एकासन, आयंबिल, सामायिक, स्वाध्याय, ध्यान, प्रतिक्रमण जैसी साधनाएं की जाती हैं। इनका धार्मिक-आध्यात्मिक महत्व है। लेकिन तप का अर्थ केवल भोजन छोड़ देना नहीं है। अगर व्यक्ति उपवास करे और साथ ही क्रोध, अहंकार, द्वेष को पकड़े रहे, तो आत्मशुद्धि का उद्देश्य अधूरा रहता है। वास्तविक तप मन और इच्छाओं पर नियंत्रण रखने का प्रयास है।

पर्युषण में यह खुद से पूछें

- मेरे व्यवहार से किसी को दुख पहुंचा?
- मेरी वाणी से किसी का मन दुखा?
- मैंने किसी के साथ अन्याय किया?
- मेरे मन में किसी के प्रति द्वेष है?

इन सवालों का ईमानदारी से जवाब देना ही आत्मनिरीक्षण की शुरुआत है।

आर्थिक संघर्ष के बीच पति और परिवार ने दिया साथ

संन्यास की सोचकर उतरीं, इतिहास रचकर लौटीं सुचिका, 36 की उम्र में कमाल

नागोया (जापान)।, एजेंसी

जिंदगी की आखिरी लड़ाई समझकर जापान पहुंची 36 वर्षीय सुचिका तरियाल ने ऐसा इतिहास रच दिया, जिसे भारतीय खेल जगत लंबे समय तक याद रखेगा। हरियाणा के रोहतक जिले के किलोई गांव की सुचिका ने एशियाई खेलों में महिलाओं की पारंपरिक 60 किलोग्राम मार्शल आर्ट्स स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत को इस खेल में पहला एशियाई खेल पदक दिलाया। खास बात यह है कि सुचिका इस प्रतियोगिता के बाद खेल को अलविदा कहने का मन बना चुकी थीं, लेकिन पदक जीतने के बाद उन्होंने अपना फैसला बदल दिया।

सेमीफाइनल में सुचिका का मुकाबला सिंगापुर की हुई हून तेओ से हुआ। मुकाबला बेहद कड़ा रहा और दोनों खिलाड़ियों का स्कोर बराबर रहा। इसके बाद कम वजन वाली खिलाड़ी को विजेता घोषित किया गया और सुचिका फाइनल में पहुंचने से चूक गईं। हालांकि, उनके लिए यह कांस्य पदक किसी स्वर्ण से कम नहीं था। पदक जीतने के बाद सुचिका ने कहा कि यह उपलब्धि उनकी जिंदगी से भी बढ़कर है। उन्होंने कहा कि जापान आकर देश के लिए पदक जीतना वह कभी नहीं भूलेंगी। उनके लिए यह सफलता वर्षों की मेहनत और संघर्ष का परिणाम है।

फैसले पर उठाए सवाल, बोलीं- दोनों दौर मैंने जीते

सेमीफाइनल के फैसले से सुचिका संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि मुकाबले में वह बेहतर प्रदर्शन कर रही थीं और उन्होंने ही प्रतिद्वंद्वी को कई बार जमीन पर गिराया। सुचिका के मुताबिक, दूसरी खिलाड़ी ने एक बार भी उन्हें जमीन पर नहीं गिराया। उनका आरोप है कि मुकाबले का फैसला प्रदर्शन के बजाय वजन के आधार पर किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें नियमों की जानकारी है और कम वजन वाले खिलाड़ी को बराबरी की स्थिति में लाभ मिलने का प्रावधान है, लेकिन उन्हें लगता है कि मुकाबले के प्रदर्शन को भी पर्याप्त महत्व दिया जाना चाहिए था। उन्होंने यह भी कहा कि कई लोगों ने मुकाबला देखने के बाद उनके प्रदर्शन को बेहतर बताया।

दो बड़े खेल आयोजनों में चूक के बाद मिला तीसरा मौका

सुचिका ने इससे पहले 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में जूडो में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। वह कांस्य पदक के मुकाबले तक पहुंची थीं, लेकिन पदक हासिल नहीं कर सकीं। इसके बाद एशियाई खेलों में कुराश में भी हिस्सा लिया, लेकिन वहां भी पदक हाथ नहीं आया। इसके बाद मार्शल आर्ट्स ने उन्हें खुद को साबित करने का एक और अवसर दिया और इस बार उन्होंने इतिहास रच दिया। सुचिका ने बताया कि उनका सपना देश के लिए पदक जीतना था। वह जिउ-जित्सु में विश्व चैंपियन भी रह चुकी हैं और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।

भोपाल में पहली बार देखीं मैरी कॉम, बनाया आदर्श

सुचिका छह बार की विश्व चैंपियन और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मैरी कॉम को अपना आदर्श मानती हैं। उन्होंने मैरी कॉम को करीब 2009-10 में भोपाल में राष्ट्रीय जूडो शिविर के दौरान देखा था। उस मुलाकात ने सुचिका को काफी प्रभावित किया। उन्होंने बताया कि वह बचपन से मैरी कॉम को पसंद करती हैं और मौका मिलने पर उनसे व्यक्तिगत रूप से बात करना चाहती हैं। एशियाई खेलों को सुचिका अपने मार्शल आर्ट्स करियर का आखिरी पड़ाव मानकर जापान पहुंची थीं। उनका मानना था कि 36 वर्ष की उम्र में अब खेल को अलविदा कह देना चाहिए। लेकिन पदक जीतने के बाद उनकी सोच बदल गई। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन ने उन्हें महसूस कराया है कि वह अभी और मुकाबले खेल सकती हैं इस तरह जिस प्रतियोगिता को सुचिका अपने खेल करियर का आखिरी अध्याय मान रही थीं, वही उनके लिए नई शुरुआत बन गई।

ट्रॉफियों की चमक के पीछे टकराव! अगरकर के कार्यकाल की अंदरूनी कहानी आई सामने

जसप्रीत बुमराह की कप्तानी से रोहित के भविष्य तक कई मुद्दों पर मतभेद का दावा

मुंबई।, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता के तौर पर अजीत अगरकर का कार्यकाल उपलब्धियों और कथित मतभेदों, दोनों के लिए चर्चा में रहा। जुलाई 2023 में चयन समिति की कमान संभालने वाले अगरकर के कार्यकाल में भारतीय टीम ने तीन बड़े आईसीसी खिताब अपने नाम किए। हालांकि, इसी दौर में विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के अंतरराष्ट्रीय करियर में बड़े बदलाव भी हुए। अब अगरकर और बीसीसीआई के रिश्तों को लेकर द टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट में कई दावे किए गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, अगरकर और बीसीसीआई के बीच मतभेद उनकी नियुक्ति के कुछ समय बाद ही शुरू हो गए थे। मामला 2023 के आयरलैंड दौरे से जुड़ा था। जसप्रीत बुमराह करीब एक साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे थे और वनडे विश्व कप से पहले यह दौरा उनके लिए अहम माना जा रहा था। रिपोर्ट में दावा किया गया कि अगरकर चाहते थे कि बुमराह पर वापसी के साथ कप्तानी का अतिरिक्त दबाव न डाला जाए। उनकी जगह ऋतुराज गायकवाड़ को कप्तानी सौंपने का विचार था। ऋतुराज को उसी साल एशियन गेम्स में भारतीय टीम की कमान भी मिली थी। हालांकि, बीसीसीआई ने कथित तौर पर इस फैसले में हस्तक्षेप किया। बोर्ड का मानना था कि बुमराह कप्तानी करना चाहते हैं और उन्हें नेतृत्व का अवसर दिया जाना चाहिए। अंततः आयरलैंड दौरे पर बुमराह ही भारतीय टीम के कप्तान बने।

रिपोर्ट के अनुसार, बुमराह से जुड़ा मामला अकेला नहीं था। आने वाले समय में चयन से संबंधित कई मुद्दों पर अगरकर और बोर्ड के बीच मतभेद होने का दावा किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, अगरकर चयन प्रक्रिया में बाहरी हस्तक्षेप को लेकर अपनी राय पर कायम रहते थे। इस दौरान रोहित शर्मा का भविष्य भी बड़ा मुद्दा बना। खासकर 2027 वनडे विश्व कप की योजनाओं में रोहित के शामिल होने को लेकर चयन समिति और बोर्ड के बीच मतभेद की चर्चा सामने आई।

रोहित के भविष्य पर भी सामने आए अलग-अलग संकेत

इंग्लैंड दौरे के दौरान रोहित शर्मा को लेकर ऐसी खबरें सामने आईं कि वह 2027 वनडे विश्व कप की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। हालांकि, बाद में बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने सार्वजनिक रूप से रोहित के टीम में बने रहने का समर्थन किया। इस घटनाक्रम ने चयन समिति और बोर्ड के बीच तालमेल को लेकर सवाल खड़े किए। हालांकि, इन दावों पर बीसीसीआई की ओर से अगरकर और बोर्ड के बीच कथित विवाद का कोई विस्तृत आधिकारिक विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है।

वीवीएस लक्ष्मण से भी मतभेद का दावा

रिपोर्ट में अगरकर और बीसीसीआई के साथ-साथ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के साथ उनके कथित मतभेदों का भी उल्लेख किया गया है। दावा है कि चयन बैठकों के दौरान सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के कामकाज को लेकर अगरकर ने सवाल उठाए थे। खिलाड़ियों की चोट, फिटनेस और पुनर्वास से जुड़े मुद्दे भी चर्चा का हिस्सा बताए गए। हालांकि, इन कथित मतभेदों की स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।

अहम समीक्षा बैठक से गैरमौजूदगी ने बढ़ाई चर्चा

सितंबर की शुरुआत में बीसीसीआई की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक हुई थी, जिसमें मुख्य कोच गौतम गंभीर, टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल तथा टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर समेत कई प्रमुख लोग मौजूद थे। अगरकर इस बैठक में शामिल नहीं हुए। उस समय बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने उनकी गैरमौजूदगी को लेकर कहा था कि अगरकर शहर में नहीं थे और ऐसी जगह पर थे, जहां इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। तमाम कोशिशों के बावजूद वह ऑनलाइन भी बैठक में शामिल नहीं हो सके।

चार फाइनल की बड़ी उपलब्धि

अगरकर के कार्यकाल को केवल विवादों के नजरिए से देखना उनकी उपलब्धियों को नजरअंदाज करना होगा। उनके नेतृत्व वाली चयन समिति के कार्यकाल में भारत ने तीन आईसीसी खिताब जीते। इनमें 2024 टी20 विश्व कप, 2025 चैंपियंस ट्रॉफी और 2026 टी20 विश्व कप शामिल हैं। इसके अलावा भारतीय टीम 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल तक भी पहुंची। इस तरह अगरकर के कार्यकाल में चुनी गई भारतीय टीम ने चार आईसीसी सफेद गेंद टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई और इनमें से तीन में खिताब जीता।

कार्यकाल बढ़ाने पर बनी रही अनिश्चितता

रिपोर्ट के मुताबिक, अगरकर का कार्यकाल आगे बढ़ाने को लेकर बीसीसीआई के भीतर अनिश्चितता बनी हुई थी। सूत्रों के हवाले से दावा किया गया कि बोर्ड उनके बने रहने को लेकर उत्सुक नहीं था। दूसरी ओर, अगरकर की ओर से भी कार्यकाल जारी रखने में रुचि कम होने की बात कही गई।

एशियन गेम्स- यामागुची से हारीं सिंधु

एलावेनिल-पार्थ शूटिंग के फाइनल में अब चीन या वियतनाम से मुलाकबला

मुंबई, एजेंसी

एशियन गेम्स में मंगलवार को इलावेनिल वालारिवान और पार्थ माने ने 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम इवेंट के फाइनल में जगह बना ली है। भारत ने क्वालिफिकेशन में दूसरा स्थान हासिल किया। फाइनल में भारत का सामना कोरिया, चीन और वियतनाम से होगा।

जापान ने एशियन गेम्स के महिला बैडमिंटन टीम क्वार्टर फाइनल में भारत के खिलाफ 1-0 की बढ़त बना ली है। पहले मुकाबले में अकाने यामागुची ने पीवी सिंधु को 23-21, 18-21, 21-11 से हराया। सिंधु ने पहला गेम जीतकर अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन यामागुची ने अगले दोनों गेम जीत लिए। सिंधु ने पहले गेम में 15-18 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। उन्होंने लंबी रैलियों में लगातार अंक जुटाए और स्कोर 18-18 से बराबर कर दिया। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ और स्कोर 20-20 तक पहुंचा।

यामागुची को गेम प्वाइंट मिला, लेकिन उनका क्रॉस-कोर्ट ड्रॉप शॉट नेट में चला गया। सिंधु ने इसका फायदा उठाया और 23-21 से गेम जीतकर मुकाबले में 1-0 की बढ़त बनाई। दूसरे गेम में यामागुची ने वापसी की। उन्होंने 21-18 से गेम जीतकर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया। निर्णायक तीसरे गेम में जापानी खिलाड़ी ने शुरुआत से दबाव बनाए रखा और 21-11 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ यामागुची ने जापान को भारत के खिलाफ टीम क्वार्टर फाइनल में 1-0 की बढ़त दिला दी। अब भारत के लिए अगले मुकाबले में जीत दर्ज करना जरूरी होगा।

सेपकटकरा में मलयेशिया से हारा भारत, अब अगले दोनों मुकाबले जीतना जरूरी

भारत को एशियन गेम्स के पुरुष टीम रेगु के ग्रुप बी में मलयेशिया के खिलाफ 1-2 से हार मिली। मलयेशिया ने निर्णायक तीसरे गेम में 7-0 की बढ़त बनाई। भारत ने वापसी करते हुए स्कोर 4-9 किया, लेकिन मलयेशिया ने लगातार अंक जुटाकर गेम 15-5 से जीत लिया। मलयेशिया ने पहला गेम 15-13 से जीता था। भारत ने दूसरे गेम में वापसी की और 15-11 से जीतकर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया। भारत इससे पहले ग्रुप बी के शुरुआती मुकाबले में जापान से भी 1-2 से हार चुका है। अब उसे ग्रुप में बने रहने के लिए अपने अगले दोनों मुकाबले जीतने होंगे।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

नाना की याद में राशा ने बनवाया तितली का टैटू, रवीना टंडन ने सुनाया भावुक किस्सा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन अक्सर अपनी निजी जिंदगी और परिवार से जुड़े किस्से प्रशंसकों के साथ साझा करती रहती हैं। अब उन्होंने अपनी बेटी राशा थडानी के टैटू से जुड़ी एक भावुक कहानी बताई है। रवीना डांस रियलिटी शो %इंडियाज बेस्ट डांसर% में विशेष अतिथि के तौर पर पहुंची थीं। शो के दौरान एक प्रतिभागी ने अपनी मां को टैटू बनवाने के लिए मनाने में रवीना से मदद मांगी। इसी बातचीत में अभिनेत्री ने अपने और बेटी राशा के टैटू से जुड़ी यादें साझा कीं।

रवीना ने बताया कि उनकी बेटी राशा ने अपने नाना के निधन के बाद तितली का टैटू बनवाया था। राशा इस तितली को अपने नाना की याद और उनके आशीर्वाद से जोड़कर देखती हैं। रवीना के मुताबिक, राशा का मानना है कि जब वह शूटिंग करती हैं तो कई बार एक तितली उनके पास आकर बैठती है। वह इसे अपने नाना का आशीर्वाद मानती हैं और इसी भावनात्मक जुड़ाव के चलते उन्होंने अपने शरीर पर तितली का टैटू बनवाया।

रवीना ने बताया कि राशा के इस टैटू का डिजाइन भी बेहद खास है। तितली के पंखों के भीतर भगवान कृष्ण से जुड़ा मोर पंख शामिल है। इसके साथ ही टैटू में भगवान शिव के नीलकंठ स्वरूप की झलक भी दिखाई गई है। रवीना के अनुसार, यह टैटू राशा की भावनाओं, आध्यात्मिक जुड़ाव और परिवार की यादों से जुड़ा है। यह डिजाइन उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

भारत में सदियों पुरानी है गोदना की परंपरा

बातचीत के दौरान रवीना ने भारत में टैटू की पुरानी परंपरा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देश के कई हिस्सों में सदियों से शरीर पर गोदना बनवाने की परंपरा रही है। राजस्थान और कई आदिवासी क्षेत्रों में आज भी इसे सांस्कृतिक परंपरा के तौर पर देखा जाता है। उन्होंने बताया कि पहले गोदना बनाने का तरीका आज के आधुनिक टैटू से अलग था और इसके लिए सुई का इस्तेमाल किया जाता था। रवीना ने अपने टैटू के बारे में भी जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने बच्चों के नाम का टैटू बनवाया हुआ है। इसके अलावा उनके शरीर पर पंजों के निशान और बिच्छू का टैटू भी है। अभिनेत्री के मुताबिक, उनके लिए टैटू केवल शरीर पर बनी आकृति नहीं, बल्कि भावनाओं, रिश्तों और जिंदगी से जुड़ी यादों को संजोने का एक माध्यम भी हैं।

बचपन में जिन गानों पर फिदा थीं शरवरी, अब उन्हीं के पीछे की कहानी सीख रहीं अभिनेत्री

अभिनेत्री शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आगामी पारिवारिक ड्रामा फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' को लेकर चर्चा में हैं। सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बन रही इस फिल्म के शीर्षक गीत के विमोचन समारोह में शरवरी ने अपने बचपन की यादों और शूटिंग के खास अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि 'दीदी तेरा देवर दीवाना' और 'मैया यशोदा' जैसे लोकप्रिय गाने देखते हुए उनका बचपन बीता है। ऐसे में इन गीतों के पीछे की सोच और निर्माण प्रक्रिया को करीब से समझना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा।

शरवरी ने बताया कि गानों की शूटिंग के दौरान सूरज बड़जात्या उन्हें पुराने लोकप्रिय गीतों के फिल्मांकन से जुड़े किस्से सुनाते थे। अभिनेत्री के मुताबिक, यही समय उनके लिए सबसे पसंदीदा हुआ करता था, क्योंकि इन गानों से उनका बचपन से ही गहरा लगाव रहा है। उन्होंने कहा कि सूरज बड़जात्या उनके साथ 'मैया यशोदा' और 'दीदी तेरा देवर दीवाना' की शूटिंग के समय की कहानियां साझा करते थे। इन गीतों के प्रति अपने प्यार को व्यक्त करते हुए शरवरी ने कहा कि वह इस अनुभव का हिस्सा बनकर खुद को बेहद आभारी और खुशकिस्मत महसूस करती हैं। शरवरी ने बताया कि सूरज बड़जात्या ने उन्हें पुराने गानों से जुड़े कुछ पर्दे के पीछे के अनुभव और बारीकियां भी समझाईं। अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने इन जानकारियों को अपनी प्रस्तुति में शामिल करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा, ÷सूरज सर ने मुझे कुछ अंदर की जानकारी दी और फिर मैंने उसे लागू करने की कोशिश की है।शरवरी के अनुसार, निर्देशक के अनुभवों से उन्हें गानों को बेहतर तरीके से समझने और अपनी अदाकारी में उनका इस्तेमाल करने का अवसर मिला।

मेट्रो बाजार

आरबीआई ने विदेशी निवेशकों के लिए केवाईसी कॉपी प्रमाणन की प्रक्रिया को किया आसान

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के लिए अनुपालन प्रक्रिया को आसान कर दिया है। इसके तहत भारतीय बैंक अब विदेशों में अधिकृत अधिकारियों द्वारा प्रमाणित कुछ निर्दिष्ट केवाईसी दस्तावेजों की मूल प्रमाणित प्रतियां स्वीकार कर सकेंगे। आरबीआई संशोधन निर्देश, 2026 के माध्यम से जारी यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। इसके साथ ही एफपीआईको भी वह सुविधा मिल गई है, जो पहले अनिवासी भारतीयों और भारतीय मूल के व्यक्तियों के लिए उपलब्ध थी। बैंक केवाईसी दस्तावेजों की मूल प्रमाणित प्रतियां स्वीकार कर सकते हैं, बशर्ते उन्हें आरबीआई के ढांचे के तहत मान्यता प्राप्त अधिकारियों द्वारा प्रमाणित किया गया हो। दस्तावेजों को प्रमाणित करने वाले अधिकृत अधिकारियों में भारत में पंजीकृत अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की विदेशी शाखाओं के अधिकारी, ऐसे विदेशी बैंकों की शाखाओं के अधिकारी जिनके साथ भारतीय बैंकों के संबंध हैं, विदेश में नोटरी पब्लिक, कोर्ट मजिस्ट्रेट, न्यायाधीश तथा उस देश में भारतीय दूतावास या महावाणिज्य दूतावास शामिल हैं, जहां गैर-निवासी ग्राहक रहता है। इसका मतलब है कि विदेशों में स्थित एफपीआई को अब संबंधित दस्तावेजों को भारत में प्रमाणित कराने की प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं होगी। वे भारतीय बैंक में मूल प्रमाणित प्रति जमा करने से पहले मान्यता प्राप्त विदेशी प्रमाणन माध्यमों में से किसी एक का इस्तेमाल कर सकेंगे।

माइक्रोसॉफ्ट ने लॉन्च किया चौथा क्लाउड रीजन, एआई विकास को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट ने हैदराबाद में अपना चौथा क्लाउड रीजन लॉन्च किया है, जिससे भारत में कंपनी की क्लाउड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अवसंरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर) क्षमता का और विस्तार हुआ है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब देश में डेटा सेंटर क्षमता और एंटरप्राइज स्तर पर एआई के उपयोग में तेज वृद्धि की उम्मीद की जा रही है।

हैदराबाद में शुरू किया गया %इंडिया साउथ सेंट्रल% क्लाउड रीजन माइक्रोसॉफ्ट के मौजूदा पुणे, चेन्नई और मुंबई स्थित क्लाउड रीजन से जुड़ गया है। इसके साथ ही भारत में कंपनी की हाइपरस्केल क्लाउड अवसंरचना मौजूदगी और मजबूत हो गई है। यह लॉन्च माइक्रोसॉफ्ट द्वारा पहले घोषित 20.5 अरब डॉलर के निवेश कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारत में क्लाउड क्षमताओं, एआई इंफ्रास्ट्रक्चर, स्किल डेवलपमेंट पहल और परिचालन विस्तार को बढ़ावा देना है।

लॉन्च कार्यक्रम के दौरान माइक्रोसॉफ्ट इंडिया एवं दक्षिण एशिया के अध्यक्ष पुनीत चंदोक ने कहा कि भारत अपनी डिजिटल परिवर्तन यात्रा के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है और दुनिया के सबसे बड़े डेटा उत्पादक देशों में तेजी से उभर रहा है। उन्होंने बताया कि भारत आज दुनिया के कुल डेटा का लगभग 20 प्रतिशत उत्पन्न करता है, लेकिन वैश्विक डेटा सेंटर क्षमता में उसकी हिस्सेदारी केवल 3 प्रतिशत है।

चंदोक ने कहा, दुनिया का 20 प्रतिशत डेटा भारत में पैदा हो रहा है, लेकिन दुनिया की केवल 3 प्रतिशत डेटा सेंटर क्षमता हमारे देश में मौजूद है। इन दोनों आंकड़ों के बीच ही इस दशक का भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर छिपा है।

जहां होती है नमक की पारंपरिक खेती, ISRO वहीं बना रहा लॉन्च सेंटर

थूथुकुडी। दक्षिण भारत के तमिलनाडु राज्य के थूथुकुडी जिले में फैली नमक की क्यारियां सालों से मजदूरों की आजीविका का मुख्य आधार रही हैं। यहां समुद्री पानी को धूप में सुखाकर नमक निकाला जाता है। मजदूर सुबह जल्दी पहुंचकर क्यारियों में काम करते हैं, नमक इकट्ठा करते हैं और ढोते हैं। यह काम कठिन और मौसमी है। गर्मी के महीनों में उत्पादन बढ़ता है जबकि बारिश के दौरान काम रुक जाता है। थूथुकुडी जिले में हजारों मजदूर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नमक उद्योग से जुड़े हैं। जिला भारत के प्रमुख नमक उत्पादक क्षेत्रों में गिना जाता है और यहां लाखों टन नमक हर साल तैयार होता है। इसी जिले में अब एक बिल्कुल अलग और आधुनिक प्रोजेक्ट आकार ले रही है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) कुलासेकरपट्टिनम में अपना दूसरा लॉन्च सेंटर बना रहा है। यह स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल कॉम्प्लेक्स कहलाता है। श्रीहरिकोटा के बाद यह देश का दूसरा प्रमुख रॉकेट लॉन्च सेंटर होगा। इसरो के लिए 2200 से 2300 एकड़ जमीन अधिग्रहित की गई है।

न्यूज विंडो

तेज रफ्तार थार का कहर: स्कूटी सवार दंपती को मारी टक्कर, पति की मौत

ग्रेटर नोएडा। बिसरख कोतवाली क्षेत्र में सोमवार देर शाम इटैड़ा गोल चक्कर के पास तेज रफ्तार थार ने स्कूटी में टक्कर मार दी।हादसे में स्कूटी सवार चिपियाना निवासी नीरज (40) की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी घायल हो गईं। हादसे के बाद थार चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया।पुलिस के अनुसार, नीरज अपनी पत्नी के साथ स्कूटी से जा रहे थे। इटैड़ा गोल चक्कर के पास तेज रफ्तार थार ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।आसपास मौजूद लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को अस्पताल भेजा, जहां इलाज के दौरान नीरज की मौत हो गई।नीरज की पत्नी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने नीरज के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद थार चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने थार को कब्जे में ले लिया है।

170 सीसीटीवी की जांच: पुलिस ने अगवा हुए 5 साल के बच्चे को बचाया

राजकोट। गुजरात के अमरेली जिले में अपहरण के कुछ ही घंटों के भीतर पुलिस के एक संयुक्त ऑपरेशन में पांच साल के बच्चे को बचाया गया। 15 घंटे चले इस ऑपरेशन में 170 जगहों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई और आखिरकार राजकोट जिले में संदिग्ध को पकड़ा गया।यह अपहरण अमरेली के मोटा अंकडिया गांव में हुआ। संदिग्ध की पहचान 25 साल के ललित रूपसिंहभाई जामरे के तौर पर हुई है, जो छह महीने पहले बच्चे के परिवार से पहली बार मिला था। अपहरण से करीब 10 दिन पहले ललित परिवार के खेत पर दोबारा आया और काम मिलने तक रहने के लिए जगह मांगी। बच्चे के पिता राकेश बमनिया मध्य प्रदेश से आए प्रवासी खेतिहर मजदूर हैं। उन्होंने उसे भरोसेमंद जानकर अपने यहां रहने की इजाजत दे दी।घटना वाले दिन बच्चे के माता-पिता जब अपने खेत में काम कर रहे थे तो उन्होंने मोटरसाइकिल का इंजन चालू होने की आवाज सुनी।

तमिलनाडु: कक्षा 6-8 के छात्रों को भी मिलेगा मुफ्त नाश्ता

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने तिरुवान्मियूर के गांधी ग्रामम स्थित सरकारी मिडिल स्कूल (ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन मिडिल स्कूल) से 'पेरुंथलईवर कामराजार मुफ्त नाश्ता योजना' के विस्तार की औपचारिक शुरुआत कर दी है। योजना की शुरुआत करने के बाद मुख्यमंत्री विजय ने स्कूल के बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर खुद भी नाश्ता खाया। इस योजना के विस्तार के तहत अब प्राथमिक कक्षाओं (कक्षा 1 से 5) से आगे बढ़कर कक्षा 6 से 8 तक के मिडिल स्कूल के विद्यार्थियों को भी सुबह का मुफ्त भोजन दिया जाएगा।इस विस्तार से राज्य भर के 15,454 सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के लगभग 15.30 लाख अतिरिक्त छात्र लाभान्वित होंगे।

तेज होते संघर्ष के बीच अमेरिका की धमकी

दुनियाभर में बंद हो जाएगी ईरान की फ्लाइट, मदद करने वालों को भी चेताया

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने चेतावनी दी है कि इस सप्ताह से ईरानी एयरलाइंस का अंतरराष्ट्रीय संचालन पूरी तरह ठप हो सकता है। वाशिंगटन ने विदेशी कंपनियों को आगाह किया है कि यदि उन्होंने ईरानी विमानन कंपनियों को सेवाएं देना जारी रखा, तो उन पर कड़े सेकेंडरी प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

सीएनबीसी के अनुसार, बेसेन्ट ने कहा कि दुनिया भर में सभी ईरानी एयरलाइंस का संचालन बंद कर दिया जाएगा। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष लगभग सात महीने पूरे करने जा रहा है।

अमेरिकी प्रशासन की धमकी केवल विमानन कंपनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि विदेशों में उनके संचालन में मदद करने वाले हवाई अड्डों, टिकटिंग एजेंसियों, ईंधन आपूर्तिकर्ताओं और ग्राउंड हैंडलिंग फर्मों को भी सीधे तौर पर निशाना बनाती है।बेसेन्ट ने कहा कि हम यह कैसे करेंगे? यदि वे विमान लैंड करते हैं, तो आप उन्हें ईंधन नहीं दे सकते, लैंडिंग सेवाएं नहीं दे सकते और उनके टिकट नहीं बेच सकते अन्यथा आपको अंतरराष्ट्रीय डॉलर प्रणाली से बाहर कर दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि 23 सितंबर तक ईरानी एयरलाइंस को प्रभावी रूप से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से पूरी तरह बाहर किया जा सकता है। यह कदम राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के आर्थिक दबाव अभियान और बेसेन्ट की उस इकोनॉमिक डी-डे चेतावनी का हिस्सा है, जिसके तहत तेहरान की वित्तीय व्यवस्था को पूरी तरह पंगु बनाने का संकल्प लिया गया है।

कई देशों ने शुरू की ईरानी उड़ानों पर रोक

ईरान ने अभी तक इस ताजा आर्थिक चेतावनी पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन कई देशों ने अमेरिकी रुख को देखते हुए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। समाचार एजेंसी एएफपी के अनुसार, दो इराकी सूत्रों ने पुष्टि की है कि बगदाद ईरानी एयरलाइंस की उड़ानों को निलंबित करेगा।इसके अतिरिक्त, जॉर्जिया ने भी ईरानी विमानों के अपने क्षेत्र में प्रवेश पर रोक लगा दी है, जबकि ईरान की महान एयर ने बताया कि उसने तुर्की सरकार के अनुरोध के बाद तुर्की के लिए अपनी सेवाएं रोक दी हैं। उल्लेखनीय है कि ईरान का विमानन क्षेत्र पहले से ही दशकों पुराने प्रतिबंधों के चलते विमानों की खरीद, स्पेयर पार्ट्स और रखरखाव सेवाओं की भारी किल्लत से जूझ रहा है।वित्त मंत्री बेसेन्ट की यह टिप्पणी चीनी उप-प्रधानमंत्री हे लिफेंग के साथ हुई उच्चस्तरीय आर्थिक वार्ता के ठीक एक दिन बाद आई है। यह बैठक राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच होने वाले आगामी शिखर सम्मेलन की तैयारियों के सिलसिले में आयोजित की गई थी।

केतन हत्याकांड में पिता बोले- सिया के परिवार पर है शक

चार्जशीट की कॉपी सहित 5 मांगें रखीं

पुणे। पुणे के चर्चित केतन अग्रवाल हत्याकांड में उनके पिता विशाल अग्रवाल ने सोमवार को सिया गोयल के परिवार के सदस्यों के भी हत्या की साजिश में शामिल होने की आशंका जताई। उन्होंने कहा कि सिया के पिता, मां, भाई, चाचा और चाची इसमें शामिल हो सकते हैं, हालांकि वह चार्जशीट पढ़ने के बाद ही इस बारे में विस्तार से कुछ कहेंगे।

विशाल ने केतन की हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों को मौत की सजा देने की मांग की है। उन्होंने कोर्ट से चार्जशीट की कॉपी देने, मामले की सुनवाई फास्ट-ट्रैक कोर्ट में कराने और उज्ज्वल निकम को विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने निकम की नियुक्ति और फास्ट-ट्रैक ट्रायल के लिए सरकार से जरूरी अधिसूचना जारी करने का अनुरोध किया है। पुणे ग्रामीण पुलिस ने वडगांव मावल कोर्ट में 5,053 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की। इसमें सिया गोयल, चेतन चौधरी और रितेश हांगे को आरोपी बनाया गया है। तीनों न्यायिक हिरासत में हैं और पुणे की येरवडा सेंट्रल जेल में बंद हैं।

गुप्त शादी की खबरों पर सवाल

सिया और उसके बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी की सीक्रेट शादी की खबरों पर भी विशाल ने सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि अगर दोनों की शादी पहले ही हो चुकी थी, तो सिया के परिवार ने उनके बेटे केतन से उसकी शादी कराने की कोशिश क्यों की।विशाल अग्रवाल ने कहा कि वह अपनी मांगों को लेकर वह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी संपर्क कर चुके हैं। सिया और केतन की नवंबर 2025 में सगाई हुई थी। दोनों इस साल 18 जून को पुणे के लोहगढ़ किले पर गए थे। इसी दौरान केतन की खाई में गिरने से मौत हो गई। शुरुआत में इसे हादसा माना गया था और बताया गया था कि चट्टान के पास फोटो खिंचवाते समय उसका पैर फिसल गया।जांच के दौरान किले के टिकट काउंटर के हुडी पहना एक व्यक्ति दोनों का पीछा करता दिखाई दिया।

वर्दी घर से पहनकर न आएं... पंजाब में वायरल ऑडियो पर घमासान

चंडीगढ़। पंजाब में पुलिसकर्मियों के लिए एक नए निर्देश को लेकर सियासत गरमा गई है। एक वायरल ऑडियो में दावा किया गया है कि पुलिसकर्मियों को घर से वर्दी पहनकर न आने का आदेश दिया गया है। इस ऑडियो के सामने आने के बाद विपक्षी दलों ने सरकार पर तीखा हमला बोला है।

ऑडियो में कहा गया है कि पुलिसकर्मी थाने आकर ही वर्दी पहनें। इस दावे ने राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अकाली नेता बिक्रम मजीठिया ने इस पर तंज कसते हुए कहा कि जिस वर्दी पर गर्व था, आज वही छिपानी पड़ रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि फिर इतनी सुरक्षा का क्या फायदा। मजीठिया ने आरोप लगाया कि पुलिस गैंगस्टरों के सामने बेबस है। उन्होंने कहा कि आम पंजाबियों में डर का माहौल है। उनके अनुसार, कानून व्यवस्था पूरी तरह से पुलिस के हाथ से निकल चुकी है।कांग्रेस के प्रदेश प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने भी प्रसारित ऑडियो साझा किया। उन्होंने कहा कि पंजाब जल रहा है और भगवंत मान मंचों पर चुटकुले सुना रहे हैं।

यूपी के उन्नाव में सड़कों पर नाव चल रहीं, एमपी और बिहार समेत 8 राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती सिस्टम बन रहा है, जिसके आज चक्रवाती तूफान बनने की संभावना है। बांग्लादेश ने इसका नाम 'अर्नब' रखा है। इससे पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश समेत आठ राज्यों में आंधी-बारिश होने की आशंका है।मध्य प्रदेश में मानसून की विदाई से पहले बारिश का दौर जारी रहेगा। मौसम विभाग ने 24 सितंबर से कई जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। प्रदेश में अब तक मानसून की 91% बारिश हो चुकी है।

उत्तर प्रदेश में मानसून कमजोर पड़ रहा है, लेकिन पहाड़ों पर भारी बारिश से कई नदियां उफान पर हैं। उन्नाव में सड़कों पर नाव चलानी पड़ रही है। 24 सितंबर से पश्चिमी यूपी में बारिश का अलर्ट है।14 जिलों में अभी सामान्य से कम बारिश हुई है।

बिहार के पटना समेत 19 जिलों और छत्तीसगढ़ के 7 जिलों में बारिश का अलर्ट है। केरलम में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेज बारिश की आशंका है।

राजस्थान से मानसून की विदाई शुरू हो गई है। सोमवार को राज्य में पूरे दिन मौसम साफ रहा। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग के ज्यादातर जिलों में अधिकतम तापमान 40°C रहा।

मेट्रो एंकर

देशभर में धड़ल्ले से बनाई जा रहीं नकली दवाएं

सेहत से खिलवाड़: 220 दवाओं के सैंपल टेस्ट में फेल

नई दिल्ली। अगस्त 2026 की ड्रग टेस्टिंग रिपोर्ट ने देश में दवाओं की क्वालिटी की निगरानी के मुद्दे को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। केंद्र और राज्य स्तर की सरकारी प्रयोगशालाओं में टेस्ट किए गए कुल 220 ड्रग सैंपल तय क्वालिटी स्टैंडर्ड्स पर खरे नहीं उतरे। वहीं, दिल्ली के नेशनल कैपिटल टेरिटरी से लिया गया एक सैंपल नकली या जाली दवा पाया गया। खास बात यह है कि इस मामले में कथित तौर पर किसी दूसरे ब्रांड के नाम का बिना इजाजत इस्तेमाल किया गया था।

अगस्त 2026 में, देश में बिकने वाली दवाओं की क्वालिटी की जांच के लिए किए गए रूटीन टेस्ट के दौरान बड़ी संख्या में सैंपल तय मानकों पर खरे नहीं उतरे। सरकारी अलर्ट के मुताबिक, सेंट्रल ड्रग लेबोरेटरीज ने 29 सैंपल को 'नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी' (हस्क्त) पाया। वहीं, स्टेट ड्रग टेस्टिंग लेबोरेटरीज ने 191 सैंपल को एनएसक्यू घोषित किया। इसका मतलब है कि दोनों स्तरों की टेस्टिंग में कुल 220 सैंपल तय मानकों से बाहर पाए गए।

दूसरी कंपनी के ब्रांड नाम का इस्तेमाल किया

वहीं, सबसे अहम बात यह है कि दिल्ली से ली गई दवा का एक सैंपल नकली पाया गया है। सरकारी नोट के मुताबिक, यह दवा कथित तौर पर उन अनधिकृत निर्माताओं ने बनाई थी, जिन्होंने किसी दूसरी कंपनी के ब्रांड नाम का इस्तेमाल किया था। मामले की जांच चल रही है और संबंधित कानूनों व नियमों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एनएसक्यू (स्टैंडर्ड क्वालिटी की नहीं): इसका मतलब है कि टेस्ट में दवा की क्वालिटी का पैमाना जरूरी स्टैंडर्ड से कम पाया गया। सीडीएससीओ के अनुसार, किसी सैंपल के एनएसक्यू पाए जाने का मतलब यह नहीं है कि उस ब्रांड की हर दवा या बाजार में मौजूद सभी बैच खराब हैं। टेस्टिंग आम तौर पर उस खास सैंपल और बैच की क्वालिटी पर केंद्रित होती है।

नकली दवा: यह मामला नियामक नियमों की एक अधिक गंभीर श्रेणी में आता है। औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 1940 के तहत, किसी अन्य दवा के नाम से निर्मित या किसी अन्य निर्माता के उत्पाद होने का झूठा दावा करने वाली दवा को नकली माना जा सकता है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524